राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 14 अप्रैल 2024 वर्ष-7,अंक-80 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारतीय सेना को जल्द मिलेंगे खासियतों से भरे 97 तेजस लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। अत्याधुनिक हथियार और आधुनिक संसाधनों से भारतीय सेना लगातार मजबूत होती जा रही है। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए स्वदेशी 97 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए एमके-1ए) तेजस की खरीद के लिए सरकारी एयरोस्पेस प्रमुख हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को एक निविदा जारी की है। इन विमानों की कीमत लगभग 67,000 करोड़ रुपये होगी। तेजस विमान हवाई युद्ध और आक्रामक हवाई सहायता मिशन के लिए बेहद शक्तिशाली माना जाता है, जबकि टोही और जहाज-रोधी अभियान इसकी सेकेंडरी रोल हैं। नवंबर में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए 97 और तेजस जेट खरीदने की परियोजना को मंजूरी दे दी थी। अधिकारियों ने बताया कि डीएसी ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा अपने एसयू-30 लड़ाकू बेड़े को अपग्रेड करने के भारतीय वायुसेना के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी लड़ाकू विमान काफी हल्के का और ताकतवर कॉम्बेट विमान है, अमेरिका भी इसकी तारीफ कर चुका है। 8 से 9 टन वजन लेकर उड़ान भरने की क्षमता रखने वाला तेजस कई तरह के हथियार और मिसाइल ले जा सकता है।यह विमान इलेक्ट्रानिक रडार, दृश्य सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइल, इलेक्ट्रानिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सूट और हवा से हवा में ईंधन भरने (एएआर) की महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं से लैस है।छोटे रनवे से टेकऑफ करने की क्षमता रखने वाले इस विमान से एक साथ 10 टारगेट को ट्रैक करते हुए हमला करने की क्षमता है। बता दें कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया समेत कई देश इस ताकतवर लड़ाकू विमान को खरीदने में दि लचस्पी दिखा चुके हैं। वायुसेना ने 2021 में दुबई एयर शो, 2022 में सिंगापुर एयर शो जैसी अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में इस विमान को प्रदर्शित किया था।

राजद का घोषणापत्र जारी, तेजस्वी बोले

इंडी सरकार बनी तो खत्म करेंगे अग्निवीर योजना

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनता दल का घोषणा पत्र जारी कर दिया है। उन्होंने राजद कार्यालय में प्रेस वार्ता की और राजद के वरीय नेताओं के साथ घोषण पत्र जारी किया। तेजस्वी यादव ने देश की जनता के लिए 24 वचन दिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं लंबे समय से नौकरी, महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी के बारे में बोल रहा हूं। लेकिन, प्रधानमंत्री जनमुद्दों और काम की बात का नोटिस ही नहीं लेते। उन्हें तो बस अपने मन की बात सुनानी है। 10 वर्षों में उन्होंने बिहार को क्या दिया? अपने वादे पूरे क्यों नहीं किए? इन पर नहीं बोलते, वो मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इधर-उधर की बातें करते है। बिहार की जनता बहुत समझदार है।

एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी

तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो पूरे देश में एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। पूरे देश में 30 लाख पद रिक्त पड़े हैं। उसको तो भरेंगे ही। लेकिन, 70 लाख पदों का सृजन करेंगे। आपलोग जानते हैं नौकरी, बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। भाजपा के लोगों ने दो करोड़ नौकरी हर साल देने का वादा किया था। हमलोग सच्चे लोग हैं। जो कहते हैं, वह करते हैं। 15 अगस्त से नौकरी की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

बिजली की दर 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी

तेजस्वी यादव ने कहा कि आगामी रक्षा बंधन से देश के गरीब महिला को एक लाख सहायता देगें। साथ ही 500 रुपया गैस सिलेंडर का दाम पूरे देश में कर दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने अग्निवीर योजना को खत्म करने की बात कही। बिहार के लिए एलान करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिजली की दर 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवाएंगे। बिहार को एक लाख 60 हजार करोड़ का स्पेशल पैकेज बिहार को दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो पुरानी पेशन योजना लागू करेगें।

बोर्नविटा जैसे पदार्थ हेल्थ ड्रिंक्स नहीं

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों से कहा है कि वे अपनी वेबसाइट और प्लेटफॉर्म से बोर्नविटा सहित सभी पेय पदार्थों को हेल्थ ड्रिंक की कैटेगरी से हटा दें। मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की एक लीगल बॉडी की जांच में पाया कि हेल्थ पेय डेफिनेशन नहीं है। इससे पहले 2 अप्रैल को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों से कहा था कि वे अपनी वेबसाइट्स पर बेचे जाने वाले फूड प्रोडक्ट्स को उचित कैटेगरी में डालें। साथ ही अथॉरिटी ने किसी भी पेय पदार्थ की बिक्री बढ़ाने के लिए हेल्थ ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का दुरुपयोग नहीं करने के लिए भी कहा था।

इतिहास से सबक नहीं लिया तो बार-बार गलतियां करते रहेंगे

चीन हो या कोई अन्य पड़ोसी, सीमा समाधान एक तरह की चुनौती: जयशंकर

पुणे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में चीन से सटी सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भारत का बजट काफी बढ़ गया है। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने तो चीन से सटी सीमा का बजट 3,500 करोड़ रुपये था, लेकिन आज यह 14,500 करोड़ रुपये है। भारत को साल 1962 के युद्ध से सबक लेना चाहिए था, लेकिन वर्ष 2014 तक सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास में कोई प्रगति नहीं हुई। यह बात भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कही। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने युवाओं के लिए अवसर और वैश्विक परिदृश्य में भागीदारी नामक विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में युवाओं से कहा कि चीन के साथ भारत की यथार्थवादी, जमीनी और व्यावहारिक नीति होनी चाहिए। जयशंकर ने कहा कि चीन हमारा पड़ोसी मुल्क है और चाहे वह चीन हो या कोई अन्य पड़ोसी, सीमा समाधान एक तरह की चुनौती है। उन्होंने कहा कि वह यहां इतिहास पर ध्यान दिलाना चाहेंगे उन्होंने कहा अगर हमने इतिहास से सबक नहीं लिया तो बार-बार गलतियां करते रहेंगे।

जयशंकर ने युवाओं से कहा कि चीन ने 1950 में तिब्बत पर कब्जा कर लिया उस समय तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखकर कहा कि वह चीन के प्रति भारत की नीति से खुश नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि पटेल ने आगाह किया कि भारत को चीन के आश्वासनों को बिना सोचे-समझे नहीं लेना चाहिए, लेकिन पंडित नेहरू ने उनकी चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया और कहा कि चीनी एशियाई लोग हैं और उनके मन में भारत के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है। जयशंकर ने आगे कहा कि पंडित नेहरू ने कहा कि चीनी वास्तव में भारत के साथ दोस्ती चाहते हैं और यह असंभव है कि चीन भारत पर हमला करने के लिए हिमालय पार करेगा। जयशंकर ने कहा कि जहां पटेल एक व्यावहारिक, जमीन से जुड़े और यथार्थवादी व्यक्ति थे, वहीं पंडित नेहरू आदर्शवादी और वामपंथी विचारधारा के इंसान थे।

जयशंकर ने कहा कि वह इतिहास की घड़ी को थोड़ा आगे ले जा रहे हैं, क्योंकि 7 से 8 साल बाद चीन को अक्साई चीन के माध्यम से एक सड़क बनाते हुए पाया गया। जब भारत को एहसास हुआ कि वह हमारे क्षेत्र में सड़क बना रहे हैं तो भारत ने विरोध किया लेकिन बाद में उन्होंने दावा किया कि यह उनकी भूमि है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि 1957 से 1962 तक जब चीनी सड़क बना रहे थे, युद्ध की तैयारी कर रहे थे तो भारत सरकार यह सोच रही थी कि भारत गुटनिरपेक्ष देश है और चीन गैर-पश्चिमी देश है तथा दोनों देशों के बीच वैचारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में चीन से सटी सीमा पर नई सुरंगें, सड़कें, पुल बनाए गए हैं।

राहुल गांधी ने बस्तर में भरी हुंकार कहा,

जल जंगल जमीन पर आदिवासियों का हक

जगदलपुर.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज चुनाव - प्रचार के लिए बस्तर पहुंचे . उन्होंने बस्तर ब्लॉक के लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के लिए वोट मांगा साथ ही सभा को संबोधित करते हुए मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि हम आपको आदिवासी कहते हैं मोदी आपको वनवासी कहते हैं. हिदुस्तान में जब कोई नहीं था तब आदिवासी यहां वास करते थे, यहां के जल जंगल सब पर उनका हक था. जो आपको वनवासी कहते हैं वो हिदुस्तान का हिस्सा नहीं मानते. हम आपके लिए पेशा कानून लाए, मनरेगा लाए, भाजपा के लोग आरएसएस के लोग आपके विचार भरोसा पर आक्रमण करते हैं, हिंदुस्तान में जंगल कम हो रहा है. यह जंगल जमीन मोदी जी अडानी को पकड़ा रहे हैं. ये चाहते हैं कि आप बड़े शहरों में ना जाए, बड़ी कंपनियों में काम ना करें, लेकिन हम चाहते हैं आप आगे बढ़े.राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी कभी

भाजपा आदिवासियों का अपमान करती है...

समंदर के अंदर घुस जाते हैं पूजा करते हैं. कोविड में थाली बजाओ कहते हैं, जब सांसे नहीं चल रही थी लाशें रखने की जगह नहीं थी, जब थाली से काम नहीं चला तब कहते हैं मोबाइल का टॉर्च जलाओ. जब मजदूर उस वक्त घर वापस जा रहे थे उस वक्त दिल्ली की सरकार ने कोई मदद नहीं की. सारा सुविधा अडानी अंबानी को दे देते हैं. किसी भी राज्य में चले जाओ सब कहते हैं सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी और महंगाई है .उन्होंने कहा, राम मंदिर का उदघाटन हुआ. देश के राष्ट्रपति आदिवासी है उनको मना कर दिया कि आप राम मंदिर के उद्घाटन में नहीं आएगी, ये मैसेज पीएम नरेंद्र मोदी ने दिया. भाजपा के लोग आदिवासी के ऊपर पेशाब करते हैं, ये है आदिवासियों की स्थिति, आदिवासियों से उनका जल जंगल छीनना चाहते हैं. भाजपा अपना पूरा धन अडानी अम्बानी को दे दिए. कांग्रेस 5 काम करने जा रही है, बेरोजगारी 30 लाख रिक्त पद है, 30 लाख पद को हमारी सरकार बनते ही आपके हवाले कर देंगे. हम आपके लिए मनरेगा लाये थे जिससे करोड़ों लोगों को लाभ मिला, अब हम अप्रेंटिशिप लाने वाले हैं, जिससे हिंदुस्तान के सभी पढ़े लिखे बेरोजगार युवाओं को एक साल की नौकरी मिलेगी. उनकी ट्रेनिग होगी और उनके खाते में 1 लाख रुपए डाला जाएगा. वो अच्छे काम कर रहे हैं तो उन्हीं संस्था में उनकी नौकरी पक्की होगी . राहुल गांधी ने कहा, गरीब लोगों को कभी भी नौकरी से निकाल दिया जाता है, अब कांग्रेस ठेकेदार पद्धति को बंद कर रही है.

मप्र में पीएम मोदी के बैक-टू-बैक दौरे

आज आएंगे नर्मदापुरम, 17 को दमोह में करेंगे सभा

भोपाल।

मप्र में भाजपा मिशन 29 में जुट गई है। एमपी के 29 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाने पार्टी के दिग्गजों का मप्र दौरा हो रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मप्र दौरा हो रहा है। मप्र में पीएम मोदी के बैक टू बैक दौरे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नर्मदापुरम आएंगे। नर्मदापुरम के पिपरिया में भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां 26 अप्रैल को मतदान होना है। वहीं, दूसरे चरण के ही चुनाव में शामिल दमोह लोकसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को दमोह के इमलाई में सभा करेंगे। यह सभा पहले रहली विधानसभा के गढ़ाकोटा में प्रस्तावित थी, लेकिन शुक्रवार को स्थल परिवर्तन कर दमोह किया गया। यहां से राहुल लोधी को प्रत्याशी बनाया गया है। वह भी पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इसके पहले सात अप्रैल को जबलपुर में रोड-शो किया था। इसके बाद बालाघाट में उनकी सभा हुई थी। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे रतलाम आ सकते हैं।

16 अप्रैल को छिंदवाड़ा में रोड-शो करेंगे शाह

प्रचार थमने के एक दिन पहले 16 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा में रोड-शो करेंगे। इसके पहले यहां 12 अप्रैल को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की सभा हो चुकी है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव पांच बार चुनाव प्रचार के लिए छिंदवाड़ा पहुंच चुके हैं। पिछली बार एकमात्र इस सीट पर कांग्रेस के नकुल नाथ जीते थे जो फिर मैदान में हैं। कांग्रेस अपने इस गढ़ को बचाने के लिए पूरी ताकत से जुटी है।

चुनाव के बाद असम में बहु विवाह पर लगा देंगे प्रतिबंधः सीएम सरमा

गुवाहाटी।

चुनाव के बाद असम में न सिर्फ बहुविवाह प्रथा पर प्रतिबंध लगाएंगे, बल्कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी लागू करेंगे। ये बात असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा एक इंटरव्यू के दौरान कही। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि तरक्की के रास्ते बंद करने वाली मदरसा शिक्षा से मुसलमानों का भला नहीं होने वाला। मुस्लिम बेटे-बेटियों को डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक बनाने की राह दिखानी होगी। इसके लिए उनकी तरक्की के रास्ते खोलने होंगे। मुस्लिमों से वोट नहीं मांगने के सवाल पर बोले- किससे वोट मांगना है...किससे नहीं...यह मेरा अधिकार है। मैं जब जानता हूं कि एक विशेष वर्ग वोट नहीं देगा, तो वहां जाकर वक्त बर्बाद क्यों करना। सीएम ने कहा कि कई राज्यों में सरकारें थीं। हम 2001 से 2014 तक असम सरकार में मंत्री रहे। 2014 में मोदीजी सत्ता में आए, तो कई लोगों को लगा कि जो हम लोग कर रहे हैं, वह रूटीन है। उससे देश में बदलाव नहीं आएगा। अगर देश में तरक्की चाहिए, नया काम चाहिए, तो बदलाव लाने वाला व्यक्ति चाहिए, जिसमें निर्णय लेने की क्षमता हो, जिस व्यक्ति के पास नई दिशा हो, उसके साथ मिलकर काम करना होगा। पूर्वोत्तर भारत पर पीएम मोदी का काफी ध्यान रहा है। हम भाजपा में आए, सरकार बनाई। राज्य में दो-दो बार सरकार बनाई, लोकसभा के दो चुनावों में हमारा अच्छा परिणाम रहा। अगर असम को देखें तो राज्य तरक्की के रास्ते पर निकल पड़ा है। 2014 के बाद यात्रा बहुत ही सफल रही है। तमाम अलगाववादी संगठनों ने हथियार डाले, चारों ओर विकास की गंगा बहने लगी। इससे हम बहुत ही संतुष्ट हैं। असम में हम वह करने में कामयाब रहे, जो जीवन में कभी सोचा भी नहीं था...इतनी शांति हो सकेगी, युवावस्था में भी नहीं सोचा था।

सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें ईरान-इजराइल यात्रा से परहेज करें

ईरानी धमकी के बाद भारत ने जारी की अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी

नई दिल्ली।

इजराइल-हमास युद्ध के बीच ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजराइल हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। हमले को लेकर ईरान धमकी दे चुका है वह भी हमले का जवाब देगा इसको लेकर इजराइल भी अलर्ट है और अमेरिका की भी चिंता बढ़ गई और अमेरिका ने भी कल ही अपने नागरिकों से कहा था कि वह इजराइज जाने से बचे। अब ईरानी धमकियों के बीच भारत ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर कहा है कि ईरान या इजराइल की यात्रा करने से परहेज करें। वहीं तनाव के बीच भारत ने शुक्रवार को अपने नागरिकों से ईरान या इजराइल की यात्रा नहीं करने को कहा।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान और इजराइल में रहने वाले भारतीयों को सलाह दी जाती है कि अपनी सुरक्षा को लेकर ज्यादा सतर्क रहें और अपनी गतिविधियां भी कम से कम रखें। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति के मद्देनजर सभी भारतीयों को सलाह दी जाती है कि अगले नोटिस तक ईरान या इजराइल की यात्रा करने से परहेज करें क्योंकि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान जल्द ही इजरायल पर हमला कर सकता है। बता दें कि सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजराइल हमले के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। इसी तनाव को देखते हुए जो बाइडेन का यह बयान दिया था। ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमले की इजराइल ने अभी तक जिम्मेदारी नहीं ली है।रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका इजरायल की रक्षा के लिए उसके साथ खड़ा है, जैसा कि लेबनानी समूह हिजबुल्लाह द्वारा शुक्रवार को इजरायली तोपखाने पर दर्जनों रॉकेट दागे थे जिसके बाद अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अतिरिक्त रक्षा संपत्ति स्थानांतरित करने से प्रमाणित हुआ था।

अब कम किराए में बेहतर सुविधाओं के साथ सफर कराएंगी 50 अमृत भारत ट्रेनें

नई दिल्ली।

हाल ही में दो अमृत भारत ट्रेनें आनंद विहार-अयोध्या और दिल्ली-दरभंगा के बीच चलाई जा रही हैं। चरणबद्ध तरीके से इनकी संख्या 50 तक करने की तैयारी है। ये ट्रेनें गंतव्य तक पहुंचने में राजधानी एक्सप्रेस से भी कम समय लेंगी। जबकि किराया राजधानी से कम होगा। रेलवे बोर्ड ने चालू वित्तीय वर्ष में आम रेल यात्रियों के लिए 50 अमृत भारत ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। सभी ट्रेनों में स्लीपर-जनरल कोच होंगे। केसरिया रंग की इन अमृत भारत ट्रेनों को पुल-पुश तकनीक से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर दौड़ाया जाएगा। औसत गति अधिक होने के कारण यह ट्रेनें राजधानी एक्सप्रेस से भी कम समय लेंगी। इनके कोच में सुविधाएं मेल-एक्सप्रेस से बेहतर होंगी।

रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष (2024-25) में अमृत भारत ट्रेनों के कुल 1230 कोच का उत्पादन करने का फैसला किया गया है। इसमें स्लीपर श्रेणी (एलडब्ल्यूएससीएच) के 600 कोच, जनरल श्रेणी (एलडब्ल्यूएस) के 440 कोच और गार्ड-स्लीपर श्रेणी (एलएसएलआरडी) के 130 कोच का उत्पादन किया जाएगा। इस प्रकार वित्तीय वर्ष में कुल 50 अमृत भारत ट्रेनों को चलाया जाएगा और इनके कोच स्लीपर-जनरल होंगे। यानी अमृत भारत आम रेल यात्रियों की ट्रेनें होंगी। रेलवे बोर्ड ने अमृत भारत ट्रेनों को अधिकतम 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर चलाने का फैसला किया है। इस रफ्तार पर राजधानी, शताब्दी, दुरंतो व वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रतिघंटा पर चलाई जाती हैं। आगे-पीछे दो इंजन वाली अमृत भारत ट्रेन की औसत रफ्तार पुल-पुश तकनीक के चलते बढ़ जाती है। इसमें तेज गति से पिकअप व तेज गति से ट्रेनों को रोकना संभव हो पाता है। इससे उनकी औसत रफ्तार बढ़ जाती है। तमाम सुविधाओं और तेज सफर के मद्देनजर मेल-एक्सप्रेस की अपेक्षा अमृत भारत ट्रेनों का किराया 15-17 फीसदी अधिक होगा। इसका इंजन वंदे भारत की तर्ज पर होगा, जोकि पूरी तरह से केसरिया रंग का होगा। जबकि इसके कोच की खिड़की के ऊपर व नीचे केसरिया रंग की पट्टी होगी। अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में दो अमृत भारत ट्रेनें आनंद विहार-अयोध्या और दिल्ली-दरभंगा के बीच चलाई जा रही हैं। चरणबद्ध तरीके से इनकी संख्या 52 तक करने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल में अमृत भारत ऐसी ट्रेनें हैं जिसमें जर्क (झटके) नहीं लगेंगे। क्योंकि इसमें सेमी स्थायी कप्लर लगे हैं। यह एलएचबी तकनीकी का विकसित वर्जन है। पुल-पुश तकनीक होने के कारण अमृत भारत ट्रेनों की औसत रफ्तार राजधानी ट्रेनों की अपेक्षाकृत अधिक होगी। जिससे ये ट्रेनें गंतव्य तक पहुंचने में राजधानी एक्सप्रेस से भी कम समय लेंगी। जबकि किराया राजधानी से कम होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नए युद्ध की आशंका

अरब दुनिया में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। इजरायल तो पहले से ही आक्रामकता की सीमाएं लांघता आ रहा है और अब उसके मुकाबले में ईरान ने भी उतनी ही आक्रामक मुद्रा अख्तियार कर ली है। विशेषज्ञों की मानें, तो ईरान किसी भी वक्त इजरायल के किसी ठिकाने को निशाना बना सकता है। इधर इजरायल भी जवाब देने के लिए पूरी तरह चौकस मुद्रा में है। ईरान और इजरायल के बीच तनाव इस कदर बढ़ गया है कि एक दिन के अंदर ही अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने तुर्किये, चीन और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों से बात की है। अमेरिकी विदेश मंत्री यह समझाने की कोशिश में लगे हैं कि मध्य-पूर्व में तनाव में वृद्धि किसी के हित में नहीं है। यहां यह कहना जरूरी है कि अमेरिका कमजोर दिख रहा है, उसका ईरान के साथ वर्षों से तनाव है और वह सीधे ईरान को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं है, तो वह उन देशों के नेताओं की मदद ले रहा है, जो ईरान पर खासा प्रभाव रखते हैं। यहां अमेरिका को जरूर सोचना चाहिए कि आखिर यह नौबत क्यों आई? इजरायल की स्वतंत्रता अपनी जगह है, लेकिन उसकी बेलगाम आक्रामकता का बचाव कैसे किया जा सकता है? गाजा को तबाह करने के बावजूद इजरायल संघर्ष विराम के लिए तैयार नहीं है। फलस्तीन पर बम बरसाते छह महीने से ज्यादा वक्त बीत गया। सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले की जिम्मेदारी भले ही उसने न ली हो, पर ईरान के संदेह को दूर करने के लिए भी उसने कुछ खास नहीं किया है। ईरान 1 अप्रैल को दमिश्क में अपने वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले के लिए इजरायल को लगातार दोषी ठहरा रहा है, जिसमें 'इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' के वरिष्ठ सदस्य मारे गए थे। ईरान पर दबाव है कि वह अपने लोगों की मौत का बदला ले और अगर ऐसा होता है, तो अरब दुनिया में एक नया युद्ध छिड़ जाएगा या युद्ध का विस्तार हो जाएगा। यह दुनिया के लिए एक बड़े दुर्भाग्य की बात है कि इजरायल भी गाजा के अलावा अन्य जगहों पर भी जंग के लिए तैयार है और उससे भी दुखद यह कि अमेरिका किसी भी सूरत में इजरायल की सुरक्षा से समझौता करने को तैयार नहीं होगा। यह भी चिंता बढ़ाने वाली बात है कि अमेरिका ने इजरायल में अपने नागरिकों को सावधान रहने के लिए कहा है। किसी नए मोर्चे पर अगर युद्ध भड़कता है, तो उसका व्यापक असर होगा। मिसाल के लिए, इजरायली सरकार ने घोषणा की है कि श्रमिकों की कमी से निपटने और देश के निर्माण उद्योग की सहायता के लिए 6,000 से अधिक भारतीय श्रमिक अप्रैल-मई के बीच इजरायल आएंगे। मतलब, युद्ध के भड़कने से भारतीयों की चिंता में भी इजाफा होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी भारतीयों को अनावश्यक रूप से तनाव का सामना करना पड़ा है। युद्ध और युद्ध क्षेत्र से भारत का न्यूनतम संबंध रहे, तो ही अच्छा। भारत अक्सर आक्रामक देशों को समझाता रहा है कि युद्ध किसी के हित में नहीं है, पर जाहिर है, दुनिया के अनेक देशों के लिए अमन-चैन के खास मायने नहीं हैं। जहां इजरायल की तारीफ संभव नहीं, वहीं ईरान की भी प्रशंसा नहीं हो सकती। हमास और हिज्बुल्लाह जैसे निर्मम-खूंखार आतंकी संगठनों के पक्ष में ईरान का होना बहुत दुखद और शर्मनाक है। सभ्य दुनिया में अपनी मांग रखने और उसके लिए संघर्ष करने के दूसरे तरीके भी हो सकते हैं, इसलिए सीधे आतंकवादियों की मदद की अमानवीय परिपाटी उन सभी देशों को छोड़नी पड़ेगी, जो दुनिया में वाकई अमन-चैन चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

बाबा साहेब अंबेडकर की - जीवन यात्रा की झलक

(अम्बेडकर जयन्ती पर विशेष आलेख)

(लेखक-ईएमएस/कविनोद तकियावाला

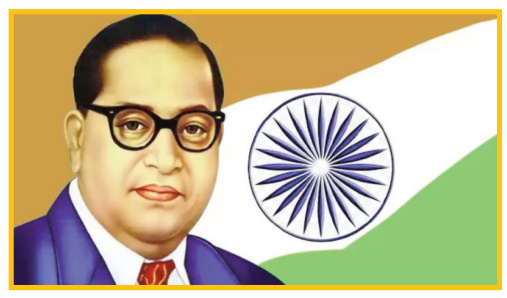

भारत की स्वतंत्रता संग्राम में अंहम भुमिका निभाने वाले बाबा साहेब डा0 बी आर अम्बेडकर जी का नाम सर्वणाक्षरों में लिखा गया है। आज भारत उनके सिद्धान्तो पर चल कर दिन दुनी - रात चौगुनी प्रगति के पथ पर अग्रसर है।बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था, आपअपने माता-पिता की14वीं और अंतिम संतान थे।डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के पिता सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल थे।आप ब्रिटिश सेना में सूबेदार थे।बाबासाहेब के पिता संत कबीर के अनुयायी थे और वे बेहद सुविज्ञ भी थे। डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर लगभग दो वर्ष के थे,जब उनके पिता सेवानिवृत्त हो गये।जब वह केवल छह वर्ष के थे तब उनकी माताजी की मृत्यु हो गई। .आप की प्रारंभिक शिक्षा बम्बई में हुई।अपने स्कूली दिनों में ही उन्हें गहरे सदमे के साथ इस बात का एहसास हो गया था कि भारत में अस्पृश्य होना क्या होता है।डॉ.अंबेडकर अपनी स्कूली शिक्षा सतारा में ग्रहण कर रहे थे। दुर्भाग्यवश,डॉ. अंबेडकर की माताजी का निधन हो गया।चाची ने उनकी देखभाल की।बाद में वह बम्बई चले गये।अपनी पूरी स्कूली शिक्षा के दौरान वह अस्पृश्यता के अभिशाप का दंश झेलते रहे। उनके मैट्रिक करने के बाद 1907 में उनकी शादी बाजार के एक खुले शेड के नीचे हुई।डॉ. अंबेडकर ने अपनी स्नातक की पढ़ाई एल्फिन्स्टन कॉलेज,बम्बई से पूरी की,जिसके लिए उन्हें बड़ौदा के महामहिम सयाजीराव गायकवाड़ से छात्रवृत्ति प्राप्त हुई थी। स्नातक की शिक्षा अर्जित करने के बाद उन्हें अनुबंध के अनुसार बड़ौदा संस्थान में शामिल होना पड़ा। जब वह बड़ौदा में थे, तभी उन्होंने अपने पिता को खो दिया।वर्ष 1913 में डॉ. अंबेडकर को उच्च अध्ययन के लिए अमेरिका जाने वाले अध्येयता के रूप में चुना गया।यह उनके शैक्षिक जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।उन्होंने क्रमशः 1915 और 1916 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी से एम.ए. और पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए वह लंदन चले गए। वकालत की पढ़ाई के लिए वह ग्रेज़ इन में भर्ती हुए और उन्हें लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस में डी.एससी. की तैयारी करने की भी अनुमति दी गई, लेकिन बड़ौदा के दीवान ने उन्हें भारत वापस बुला लिया। बाद में, उन्होंने बार-एट-लॉ और डी.एससी.की डिग्री भी प्राप्त की। उन्होंने कुछ समय तक जर्मनी की बॉन यूनिवर्सिटी में अध्ययन किया।1916 में उन्होंने कास्ट्स इन इंडिया-देअर मैकनिज्म, जीनेसिज एंड डेवेलपमेंट विषय पर एक निबंध पढ़ा। 1916 में, उन्होंने 'नेशनल डिविडेंड फॉर इंडिया- अ हिस्टोरिक एंड एनालिटिकल स्टडी' पर अपनी थीसिस लिखी और पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की। इसे आठ वर्ष बाद ‘इवोल्यूशन ऑफ प्रोविंशियल फाइनेंस इन ब्रिटिश इंडिया’ शीर्षक से प्रकाशित किया गया।इस सर्वोच्च डिग्री को प्राप्त करने के बाद,बाबासाहेब भारत लौट आए और उन्हें बड़ौदा के महाराजा का सैन्य सचिव नियुक्त किया गया,ताकि आगे चलकर उन्हें वित्त मंत्री के रूप में तैयार किया जा सके।सितंबर, 1917 में अपनी छात्रवृत्ति की अवधि समाप्त होने पर बाबासाहेब शहर लौट आए और नौकरी करने लगे।लेकिन शहर में थोड़े ही समय नवंबर, 1917 तक रहने के बाद वह बम्बई रवाना हो गए। अस्पृश्यता के कारण अपने साथ हुए दुर्व्यवहार ने उन्हें नौकरी छोड़ने के लिए विवश कर दिया था। डॉ. अंबेडकर बम्बई लौट आए और राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर के रूप में सिडेनहैम कॉलेज में पढ़ाने लगे। सुविज्ञ होने के कारण वह छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय थे। लेकिन लंदन में कानून और अर्थशास्त्र की पढ़ाई दोबारा शुरू करने के लिए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कोल्हापुर के महाराजा ने उन्हें आर्थिक सहायता दी। 1921 में उन्होंने ‘प्रोविंशियल डिसेंट्रलाइजेशन ऑफ इम्पीरियल फाइनेंस इन ब्रिटिश इंडिया'' पर अपनी थीसिस लिखी और लंदन यूनिवर्सिटी से एम.एससी. की डिग्री प्राप्त की।उसके बाद उन्होंने कुछ समय जर्मनी की बॉन यूनिवर्सिटी में बिताया। 1923 में, उन्होंने डी.एससी. के लिए अपनी थीसिस-‘प्रॉब्लम ऑफ रुपी इट्स ऑरिजन एंड सॉल्यूशन’ प्रस्तुत की।1923 में उन्हें वकीलों के बार में बुलाया गया।

1924 में इंग्लैंड से लौटने के बाद उन्होंने दलित वर्गों के कल्याण के लिए एक एसोसिएशन की शुरुआत की,जिसमें सर चिमनलाल सीतलवाड़ अध्यक्ष और डॉ. अंबेडकर चेयरमैन थे। एसोसिएशन का तात्कालिक उद्देश्य शिक्षा का प्रसार करना, आर्थिक स्थितियों में सुधार करना और दलित वर्गों की शिकायतों का प्रतिनिधित्व करना था।नए सुधार को ध्यान में रखते हुए दलित वर्गों की समस्याओं को हल करने के लिए 3 अप्रैल, 1927 को बहिष्कृत भारत समाचार पत्र शुरू किया गया।1928 में, वह गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, बम्बई में प्रोफेसर बने और 1 जून, 1935 को वह उसी कॉलेज के प्रिंसिपल बन गए और 1938 में इस्तीफा देने तक उसी पद पर बने रहे। 13 अक्टूबर, 1935 को नासिक जिले के येवला में दलित वर्गों का एक प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में उन्होंने यह घोषणा करके हिंदुओं को हतप्रभ कर दिया कि मैं हिंदू धर्म में पैदा हुआ, लेकिन मैं हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा उनके हजारों अनुयायियों ने उनके फैसले का समर्थन किया। 1936 में उन्होंने बॉम्बे प्रेसीडेंसी महार सम्मेलन को संबोधित किया और हिंदू धर्म का परित्याग करने की वकालत की।15 अगस्त, 1936 को उन्होंने दलित वर्गों के हितों की रक्षा के लिए स्वतंत्र लेबर पार्टी का गठन किया, जिसमें ज्यादातर श्रमिक वर्ग के लोग शामिल थे।

सन 1938 में कांग्रेस ने अस्पृश्यों के नाम में परिवर्तन करने वाला एक विधेयक पेश किया। डॉ. अंबेडकर ने इसकी आलोचना की। उनका दृष्टिकोण था कि नाम बदलना समस्या का समाधान नहीं है। 1942 में,उन्हें भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में लेबर सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया1946 में, वह बंगाल से संविधान सभा के लिए चुने गए। उसी समय उन्होंने अपनी पुस्तक ‘हू वर शूद्र?’ प्रकाशित की।आजादी के बाद, 1947 में, उन्हें देश के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू की पहली कैबिनेट में विधि एवं न्याय मंत्री नियुक्त किया गया।लेकिन 1951 में कश्मीर मुद्दे, भारत की विदेश नीति और हिंदू कोड बिल के बारे में प्रधानमंत्री नेहरू की नीति से मतभेद व्यक्त करते हुए उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 1952 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने भारत के संविधान का प्रारूप तैयार करने में उनके द्वारा दिए गए योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए उन्हें एल.एल.डी. की उपाधि प्रदान की।1955 में, उन्होंने थॉट्स ऑन लिंग्विस्टिक स्टेट्स नामक पुस्तक प्रकाशित की।डॉ. बी.आर. अंबेडकर को उस्मानिया विश्वविद्यालय ने 12 जनवरी 1953 को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। आख़िरकार 21 साल बाद, उन्होंने 1935 में येवला में की गई अपनी घोषणा ‘मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा’ को सच साबित कर दिया।14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में एक ऐतिहासिक समारोह में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया और 6 दिसंबर 1956 को उनकी मृत्यु हो गई।1954 में काठमांडू, नेपाल में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को जगतिक बौद्ध धर्म परिषद में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा बोधिसत्व की उपाधि से सम्मानित किया गया खास बात यह है कि डॉ. अंबेडकर को जीवित रहते हुए ही बोधिसत्व की उपाधि से सम्मानित किया गया।उन्होंने भारत के स्वाधीनता संग्राम और स्वतंत्रता के बाद के सुधारों में भी योगदान दिया। इसके अलावा बाबासाहेब ने भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस केंद्रीय बैंक का गठन बाबासाहेब द्वारा हिल्टन यंग कमीशन को प्रस्तुत की गई अवधारणा के आधार पर किया गया था।डॉ. अंबेडकर के विचार और कार्य इन समस्याओं को सुलझाने में हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं।डॉ. बी.आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि पूरे देश में 'महापरिनिर्वाण दिवस' के रूप में मनायी जाती है।

संविधान की रक्षा ही डॉ भीमराव आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

दुनिया जानती है ,भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ भीमराव आंबेडकर का अभूतपूर्व योगदान रहा है।तभी तो संविधान देश मे सर्वपरि है।लेकिन पिछले कुछ समय से डॉ भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाये गए इस संविधान को बदलने के प्रयास किए जा रहे है,जिसे लेकर संविधान के प्रति आस्था रखने वाला हर व्यक्ति चिंतित है।भारतीय संविधान के कारण ही भारत दुनिया मे सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है,देश के इस लोकतांत्रिक स्वरूप को बनाये रखने के लिए आज हमें सजग रहने की आवश्यकता है। भारतीय संविधान के सूत्रधार एवं चिंतक डॉ. बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की अद्वितीय प्रतिभा देश व समाज के लिए अनुकरणीय व अग्रणीय रही है। वे एक प्रख्यात मनीषी, समाज सेवक, नायक, विद्वान, दार्शनिक, वैज्ञानिक, एवं धैर्यवान बौद्धिक व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपना जीवन समग्र भारत के कल्याण की कामना हेतु उत्सर्ग कर दिया था। विशेषकर 80 प्रतिशत उन दलित, सामाजिक व आर्थिक तौर से अभिशप्त लोगो के लिए, जिन्हें शोषण व पिछड़ेपन के अभिशाप से मुक्ति दिलाना ही डॉ. आंबेडकर का जीवन संकल्प रहा।

सामाजिक चिंतक डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल सन 1891 को महू में सूबेदार रामजी शकपाल एवं भीमाबाई की चौदहवीं संतान के रूप में हुआ था।बचपन से ही उनके व्यक्तित्व में स्मरण शक्ति की प्रखरता, बुद्धिमत्ता, ईमानदारी, सच्चाई, नियमितता, दृढ़ता का प्रभाव रहा। डॉ भीमराव सातारा गांव के एक ब्राह्मण शिक्षक को बेहद प्रिय रहे। ये शिक्षक ही डॉ आंबेडकर के लिए उनपर सामाजिक अत्याचार और लांछन की तेज धूप में बादल रूपी छांव बन गए थे। डॉ. आंबेडकर की सोच थी कि, समाज को श्रेणीविहीन और वर्णविहीन करना होगा क्योंकि श्रेणी ने इंसान को दरिद्र और वर्ण ने इंसान को दलित बना दिया है। जिनके पास कुछ भी नहीं है, वे लोग दरिद्र माने गए और जो लोग कुछ भी नहीं है, वे दलित समझे जाते थे।

बाबा साहेब ने इसी भेदभाव के प्रति संघर्ष का बिगुल बजाकर समाज को जागरूक करने की कोशिश की।वे कहते थे कि, छीने हुए अधिकार भीख में नहीं मिलते, अधिकार वसूल करना होता है। उन्होंने कहा था, हिन्दुत्व की गौरव वृद्धि में वशिष्ठ जैसे ब्राह्मण, राम जैसे क्षत्रिय, हर्ष की तरह वैश्य और तुकाराम जैसे शूद्र लोगों ने अपनी साधना का प्रतिफल जोड़ा है। उनका हिन्दुत्व दीवारों में घिरा हुआ नहीं है, बल्कि ग्रहिष्णु, सहिष्णु व चलिष्णु है।बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ने भीमराव आंबेडकर को मेधावी छात्र के नाते छात्रवृत्ति देकर सन 1913 में विदेश में उच्च शिक्षा के लिए भेज दिया था। उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मानव विज्ञान, दर्शन और अर्थ नीति का अध्ययन किया और विद्वता हासिल की।चूंकि विदेश में भारतीय समाज का अभिशाप और जन्मसूत्र से प्राप्त अस्पृश्यता की कालिख नहीं थी। इसलिए उन्होंने अमेरिका में एक नई दुनिया के दर्शन किए।बाबासाहेब अम्बेडकर की विद्वता का प्रमाण यह है कि वे 64 विषयों में मास्टर थे7 वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओँ के जानकार थे7 उन्होंने 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों को लेकर तुलनात्मक अध्ययन किया था7

बाबासाहेब ने लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स में 8 वर्ष में समाप्त होनेवाली पढाई मात्र 2 वर्ष 3 महीने में पूरी की 7 इसके लिए उन्होंने प्रतिदिन 21-21 घंटे पढ़ाई की थी7

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का अपने 8,50,000 समर्थको के साथ बौद्ध धर्म में दीक्षा लेना विश्व में एक ऐतिहासिक घटना थी, क्योंकि यह विश्व का सबसे बडा धर्मांतरण था।

बाबासाहेब को बौद्ध धर्म की दीक्षा देनेवाले महान बौद्ध भिक्षु महंत वीर चंद्रमणी ने उन्हें इस युग का आधुनिक बुद्ध कहा था।

लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से डॉक्टर ऑल सायन्स नामक अनमोल डॉक्टरेट पदवी प्राप्त करनेवाले बाबासाहेब विश्व के पहले और एकमात्र महापुरूष रहे हैं।

डॉ. आंबेडकर ने अमेरिका की एक सेमिनार में भारतीय जाति विभाजन पर अपना मशहूर शोध-पत्र पढ़ा, जिसमें उनके व्यक्तित्व की खूब प्रशंसा हुई।

सर्वसम्मति से डॉ. आंबेडकर को संविधान सभा की प्रारूपण समिति का अध्यक्ष चुना गया। 26 नवंबर सन1949 को डॉ. आंबेडकर के नेतृत्व में (315 अनुच्छेद का) भारतीय संविधान पारित हुआ।

डॉ भीम राव आंबेडकर मधुमेह से पीड़ित हो गए थे। दुर्भाग्यपूर्ण रूप से 6 दिसंबर सन 1956 को उनकी मृत्यु दिल्ली में सोते समय घर पर ही हो गई।सन 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया।

डॉ. आंबेडकर का ध्येय था कि सामाजिक असमानता दूर करके दलितों के मानवाधिकार प्रतिष्ठा करना।जिसमे वे काफी हद तक सफल भी रहे। डॉ. आंबेडकर ने सावधान किया था कि, 26 जनवरी सन1950 को हम परस्पर विरोधी जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक क्षेत्र में समानता रहेगी किंतु सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में असमानता रहेगी। जल्द से जल्द हमें इस परस्पर विरोधता को दूर करना होगा।हालांकि समय के साथ इसमें काफी कमी आई है और हम डॉ आंबेडकर के सपनो को पूरा करने में लगातार सफल हो रहे है,लेकिन सत्ता के लालच में जो भी भारतीय संविधान से नाजायज़ छेड़छाड़ का प्रयास करेगा, उसका परिवाद करना भी हमारा दायित्व है।

(लेखक डॉ आंबेडकर फैलोशिप प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

करोड़ों के घोटालेबाज कुलगुरु (कुलपति)

(लेखक-सनत जैन)

मध्य प्रदेश के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु को करोड रुपए के गबन और घोटाले के आरोप में, पुलिस द्वारा फरारी के कई दिनों बाद उन्हें छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया है। कुलगुरु को भोपाल लाया गया, न्यायालय ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। तथाकथित कुलगुरु ने छात्रों की फीस में बड़ा घोटाला किया। विश्वविद्यालय के बैंक खाते से रकम निकालकर अन्य खाते में ट्रांसफर करने फर्जी दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपए का घोटाला किया है। 2017 से लेकर अभी तक करोड़ों रुपए के खरीदी और निर्माण घोटाले की अभी जांच नहीं हुई है। यदि इसकी जांच होगी तो यह घोटाला विश्वविद्यालयों के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला साबित होगा। मध्य प्रदेश सरकार ने कुलपति को कुलगुरु का पद नाम दिया है। यदि ऐसे कुलगुरु होंगे, तो भगवान ही मालिक हैं. 2017 में जब उनकी पहली बार नियुक्ति हुई थी। तब इन्होंने कहा था कि मैं सेवा करने के लिए आया हूं। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा था,हमारा मकसद छात्र हित है, नाकि स्वहित है. इन आदर्शवादी कुलगुरु की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कि निकटता के कारण हुई थी। तत्कालीन राज्यपाल ओम कोहली ने 2017 में उनकी नियुक्ति की थी। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 2000 छात्र पढ़ते हैं। इसके अलावा 375 इंजीनियरिंग कॉलेज और टेक्निकल कॉलेज विश्वविद्यालय से एफिलेटेड हैं। इसमें भी हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षारत हैं. सरकार और संघ का आशीर्वाद होने के कारण प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए के घपले और घोटाले इस विश्वविद्यालय में होते रहे हैं। भ्रष्टाचार की जो गंगा इस विश्वविद्यालय से निकल रही थी। उसमें सरकार और संघ के लोग भी उपकृत हो रहे थे। डॉ. सुनील कुमार को नियम विरुद्ध कुलपति बनाया गया था। यह सरकारी सेवा में थे, तथा इन्हें पढाने का कोई अनुभव नहीं था। यह कुलपति बन ही नहीं सकते थे। भाजपा के शासन में जिसे संघ और सरकार का आशीर्वाद मिल जाए, उसे वह हर पद मिल जाता है। जिसके लिए वह सक्षम नहीं होता है। यही कुल गुरु डॉक्टर सुनील कुमार के साथ हुआ। 2017 में नियम विरुद्ध वह कुलपति पद पर नियुक्त कर दिए गए। भ्रष्टाचार की गंगा में बहते हुए उन्होंने करोड़ों रूपया कमाया। 2021 में तत्कालीन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें दूसरी बार राज्यपाल नियुक्त कर दिया। दूसरी बार जब कुलपति बनाए गए थे। तब भी उनके ऊपर भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े आरोप थे। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है, भ्रष्टाचार की इस गंगोत्री में किस-किस ने स्नान किया है। यह पता लगाया जाना भी जरूरी है। अकेले डॉ सुनील कुमार ही इसके दोषी नहीं है। सही मायने में केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी को इस मामले की जांच करनी चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार को भी यह मामला ईडी को जांच के लिए सौंपना चाहिए। तब जाकर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 2017 से लेकर 2024 के बीच में हुए घपले घोटाले सामने आ सकेंगे। इसका पैसा किस-किस के पास गया है, यह भी उजागर हो सकेगा। भला हो उन छात्रों का, जिन्होंने कुलपति के भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोला, संघ का ही एक अनुवांशिक संगठन कुलपति डॉक्टर सुनील कुमार के विरुद्ध आंदोलन रत हो गया। बड़े दबाव में जांच की कार्रवाई हुई।

जिसमें अभी केवल एक मामला ही उजागर हुआ है। विश्वविद्यालय के खाते से अन्य खाते में फर्जी तौर पर रकम ट्रांसफर करके जो घोटाला किया गया, वह लगभग 20 करोड रुपए करीब का है। यह एक छोटा सा गबन मामला है। विश्वविद्यालय की 2017 से लेकर अभी तक के वित्तीस मामलों की जांच कराई जाएगी, तो इसमें निर्माण कार्यों में और खरीदी में करोड़ों रुपए के घोटाले हर साल देखने को मिलेंगे। जिन कॉलेजों को विश्वविद्यालय द्वारा एफीलिएशन दिया गया है।

उनसे भी प्रति कॉलेज लाखों रुपए की रिश्वत ली गई है। परीक्षा में भी भारी गड़बड़ी हुई हैं। प्रतिवर्ष इसमें भी करोड़ों रुपए की रिश्वत लिए जाने की चर्चाएं विश्वविद्यालय परिसर में हो रही हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षाएं गोपनीय तरीके से होती हैं। इसका खर्च भी गोपनीय रखा जाता है। इसमें भी बड़े-बड़े घपले हुए हैं। शिक्षा के मंदिर में कुल गुरु के रूप में डॉ सुनील कुमार को सरकार और संघ के सिपहसलारों का संरक्षण होने के कारण, अरबों रुपए का घोटाला राजीव गांधी प्रोधोगिकी-विश्वविद्यालय में पिछले 6 वर्षों में हुआ है।

केंद्रीय जांच एजेंसी, विशेष रूप से ईड़ी से जांच कराई जाएगी, तो बड़े-बड़े घपले घोटाले सामने आते देर नहीं लगेगी। दिल्ली का शराब घोटाला भी कोई मायने नहीं रखता है। जितना बड़ा घोटाला राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुआ है। इसमें बड़े-बड़े सफेदपोश शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाइप बनाने वाली इस कंपनी ने निवेशकों को कर दिया मालामाल

मुंबई । शेयर बाजार में कुछ स्टॉक ने पहले निवेशकों का नुकसान कराया और फिर अब पैसा कमा कर दे रहे हैं। इसमें एक शेयर पाइप बनाने वाली कंपनी के हैं। कंपनी का नाम किसान मोल्डिंग्स लिमिटेड है। इस कंपनी के शेयर हर दिन अपर सर्किट लगा रहे हैं। एक साल के दौरान किसान मोल्डिंग्स के शेयर ने तगड़ा रिटर्न दिया है। एक साल में कंपनी के स्टॉक्स ने 741 फीसदी का रिटर्न दिया है। किसान मोल्डिंग्स के शेयर का 52वीं का लो लेवल 7.33 रुपये प्रति शेयर था, जो अब 72 रुपये के ऊपर कारोबार कर रहा है। इस अवधि के दौरान कंपनी ने 800 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। वहीं 29 जनवरी 2024 को इस कंपनी के शेयर 14 रुपये के भाव पर थे, जहां से अबतक निवेशकों को इस स्टॉक ने 400 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं एक जनवरी को किसान मोल्डिंग्स के शेयर इस साल1 जनवरी को 13 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे थे। जनवरी से लेकर 10 अप्रैल 2024 तक इस शेयर ने 423 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को दिया है। हालांकि पांच साल के दौरान इस स्टॉक में 46 फीसदी की तेजी आई है। 1995 से लेकर आज तक इस तक में सिर्फ 311 फीसदी की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2018 को 210 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कारोबार कर रहे थे, लेकिन आज इसके शेयर 72.31 रुपये पर पहुंच चुके हैं।

संशोधित भारत-मॉरीशस कर संधि को मंजूरी देना बाकी: आयकर विभाग

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने कहा कि भारत और मॉरीशस के बीच संशोधित दोहरा कराधान बचाव संधि में नियमों और दिशानिर्देशों को मंजूरी देना और अधिसूचित करना बाकी है। गौरतलब है कि दोनों देशों ने सात मार्च को दोहरा कराधान बचाव संधि (डीटीएए) में संशोधन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इसमें यह तय करने के लिए एक व्यवस्था प्रिंसिपल पर्पज टेस्ट (पीपीटी) की व्यवस्था की गई है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई विदेशी निवेशक संधि लाभों का दावा करने के लिए पात्र है या नहीं। इसके साथ ही चिंता जताई जा रही थी कि मॉरीशस के रास्ते आने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशों को कर अधिकारियों की अधिक जांच का सामना करना पड़ेगा। ऐसी आशंकाएं भी जताई गईं कि पिछले निवेशों को संशोधित प्रोटोकॉल के दायरे में लाया जा सकता है।

आईपीएल के दौरान होटल और हवाई किराया बढ़ा

- पिछले साल की तुलना में इस साल होटलों के किराये में करीब 20 फीसदी का इजाफा हुआ

नई दिल्ली । आईपीएल की वजह से इस साल होटल और हवाई किराए में पिछले साल के मुकाबले इस बार होटल किराए में इजाफे में बढ़ोतरी देखी गई है। बताया जा रहा है कि अधिकतर भारतीयों के लिए क्रिकेट धर्म नहीं बल्कि जुनून है इसलिए मांग सिर्फ युवाओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि हर तबके के लोगों के बीच फैली है। खबर के मुतो बिक पर्यटक शहर के बारे में जानने के लिए मैच एक-दो दिन पहले पहुंच रहे हैं अथवा मैच के बाद भी एक-दो दिन रह रहे हैं। मांग न केवल मैचों की मेजबानी करने वाले मेट्रो शहर के लिए है बल्कि जयपुर, मोहाली, धर्मशाला, लखनऊ, गुवाहाटी और अहमदाबाद जैसे छोटे शहरों की यात्रा करने वाले यात्री भी अधिक हैं। उनमें से तो राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस जैसी टीमों का उनके गृहनगर हैं। रिपोर्ट के मुतो बिक पिछले साल की तुलना में इस साल होटलों के किराये में करीब 20 फीसदी का इजाफा हुआ है और कुछ मैचों के लिए तो होटलों में ऑक्यूपेंसी 80 फीसदी से अधिक है। प्रमुख मैच वाले शहरों के होटलों को उम्मीद है कि मैच वाले दिन ऑक्यूपेंसी और बढ़ेगी। ब्रोकरेज ने कहा कि दमदार आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ माइस कारोबारी स्थलों के लिए प्रमुख मांग हैं।

टीसीएस ने बताया, सुब्रमण्यम के रिटायरमेंट के बाद दूसरी नियुक्ति का इरादा नहीं

मुंबई ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के प्रमुख ऑपरेटिंग ऑफिसर और कार्यकारी निदेशक एन गणपति सुब्रमण्यम अगले महीने यानी मई 2024 में रिटायर हो रहे है। कंपनी ने 12 अप्रैल को इसकी घोषणा की। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सर्विस एक्सपोर्टर ने कहा कि सुब्रमण्यम के रिटायर होने के बाद कंपनी का सीओओ पोस्ट पर कोई दूसरी नियुक्ति करने का इरादा नहीं है। टीसीएम के सीईओ ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी करने के बाद कहा, वह (सुब्रमण्यम) कई काम कर रहे हैं और कोई भी व्यक्ति उनकी जगह नहीं ले सकता, हमारी वर्तमान सोच है, हमारी नेतृत्व टीम, हम जो काम वह कर रहे हैं उसे फिर से रीडिस्ट्रीब्यूट कर रहे हैं और हमारा कोई नया सीओओ नियुक्त करने का इरादा नहीं है। बता दें कि सुब्रमण्यम को फरवरी 2017 में टीसीएस के सीओओ के रूप में नियुक्त किया गया था और वह 40 वर्षों से अधिक समय से कंपनी के साथ हैं। इसके अलावा, एन गणपति सुब्रमण्यम टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन के बड़े भाई भी हैं। टीसीएस से पहले दिसंबर 2021 में

इंफोसिस ने भी अपनी कंपनी से सीओओ पद को समाप्त कर दिया था। टीसीएस का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 9.1 फीसदी बढ़कर 12,432 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के 11,735 करोड़ रुपये के मुकाबले कंपनी का कर उपरांत मुनाफा 6 फीसदी बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में टीसीएस की आय सालाना आधार पर 3.5 फीसदी बढ़कर 61,237 करोड़ रुपये रही।

रियलमी जीटी निओ 6 एसई चीन में लांच

नई दिल्ली । रियलमी जीटी निओ 6 एसई को चीन में लांच किया गया है। ये मॉडल क्वालकम स्पैनड्रैगन 7+ जेनरेसन 3 प्रोसेसर पर चलता है। साथ ही फोन में 8 टी एलटीओपी एआइड डिस्प्ले दिया गया है। फोन की बैटरी 5,500 एमएएच की है। फिलहाल चीन में इसकी प्री-बुकिंग शुरू कर दी गई है। इसकी बिक्री 17 अप्रैल से शुरू होगी। डुअल-सिम (नैनो) सपोर्ट वाला ये स्मार्टफोन एंड्रॉयड 14 बेस्ड रियलमी यूआई 5 पर चलता है और इसमें 120एचजेड रिफ्रेश रेट और 6,000 नस्ट के साथ 6.78-इंच 1.5के (1,264म2,780 पिक्सल) 8टी एटीओपी एमलाइड डिस्प्ले दिया गया है। ये पहला स्मार्टफोन है, जिसमें 6,000 की मैक्जिमम पीक ब्राइटनेस दी गई है। इस फोन में 16जीबी तक एलपीडीडीआर 5एक्स रैम और 512जीबी तक यूएफएस 4.0 स्टोरेज के साथ 4एनएम क्वालकम स्पैनड्रैगन 7+ जेनरेसन 3 प्रोसेसर दिया गया है। फोटो के लिए फोन के रियर में 50मैगापिक्सल प्राइमरी कैमरा और 8मैगापिक्सल अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 32मैगापिक्सल का कैमरा मौजूद है।

लगातार सातवें हफ्ते बढ़ा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

- गोल्ड रिजर्व का योगदान सबसे ज्यादा रहा

नई दिल्ली ।

सोने के भंडार में तेज बढ़ोतरी के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार सातवें सप्ताह बढ़कर 648 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है, जो अब तक का सार्वजे निक उच्च स्तर पर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। 5 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.98 अरब डॉलर बढ़कर 648.562 अरब डॉलर हो गया। इस बढ़ोतरी में गोल्ड रिजर्व का योगदान सबसे ज्यादा रहा, जो 2.398 अरब डॉलर बढ़कर 54.558 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछले सप्ताह बताया था कि केंद्रीय बैंक सोना खरीद रहा है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम बढ़ने से भी गोल्ड रिजर्व मजबूत हुआ है। फॉरेन करेंसी एसेट्स 54.9 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 571.166 अरब डॉलर पर पहुंच गईं। 7 सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 32.465 अरब डॉलर बढ़ चुका है। इससे पहले 29 मार्च को समाप्त सप्ताह में यह 2.951 अरब डॉलर बढ़कर 645.583 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। इसने 22 मार्च और 15 मार्च को समाप्त सप्ताहों में भी रिकॉर्ड बनाया था और क्रमशः 642.631 अरब डॉलर तथा 642.492 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी से आरबीआई को रुपये के अस्थिर होने पर उसे स्थिर करने के लिए अधिक गुंजाइश मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आरबीआई रुपये को भारी गिरावट से बचाने के लिए अधिक डॉलर जारी कर हाजिर और वायदा मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करता है। इसके विपरीत विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट से आरबीआई के पास रुपये को सहारा देने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए कम विकल्प बचता है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार ने लगातार की र्तिमान बनाया और ओ खिरकार शुक्रवार को फिसलकर बंद हुआ। बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की गिरावट देखी गई। बाजार विशेषज्ञ के मुताबिक अमेरिका में ब्याज दर में कटौती में देरी और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों में आई तेजी और चौथी तिमाही के कमजोर परिणाम के अनुमानों की चिंताओं के बीच शेयर बाजार में गिरावट आई है। बीएसई सेंसेक्स में शुक्रवार को भारी गिरावट से निवेशकों के 2.52 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीते सप्ताह ईद उल फित्र पर्व के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच कारोबारी दिनों में से केवल चार दिन कारोबार हुआ। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 74,599 पर खुला और 494.28 अंकों की बढ़त के साथ 74,742.50 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 25600 के स्तर से अधिक बढ़कर खुला और 152.60 अंक चढ़कर 22,666.30 पर बंद हुआ। भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को नए उच्च स्तर पर खुले। बीएसई सेंसेक्स पहली बार 75,124 के नए शिखर पर खुला और 58.80 अंक

फिसलकर 74,683.70 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 20 फीसदी बढ़त के साथ 22,765 अंक पर खुला और 23.55 अंक कमजोर होकर 22,642.75 के पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 270 अंकों की तेजी के साथ 74,953.96 पर खुला और 75000 के ऊपर बंद हुआ। निफ्टी 77 अंकों की तेजी के साथ 22,720.25 के लेवल पर खुला और 22750 का स्तर पार कर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 304 अंकों की गिरावट के साथ 74,734 के स्तर पर खुला और 793.25 अंक (1.06 प्रतिशत) फिसलकर 74,244.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 82 अंक कमजोर होकर 22,672 के स्तर पर खुला और 234.40 अंक (1.03 प्रतिशत) गिरकर 22,519.40 अंक पर बंद हुआ।

मार्च में खुदरा महंगाई दर 10 महीने के निचले स्तर पर

- अक्टूबर 2023 में खुदरा महंगाई दर 4.87 प्रतिशत रही थी

नई दिल्ली ।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आने से मार्च के महीने में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई। हाल ही में जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में 5.09 प्रतिशत और मार्च 2023 में 5.66 प्रतिशत रही थी। मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति पांच महीनों के निचले स्तर पर रही है। इसके पहले अक्टूबर, 2023 में यह 4.87 प्रतिशत रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खाद्य उत्पादों की महंगाई दर 8.52 प्रतिशत रही जबकि एक महीने पहले फरवरी में यह 8.66 प्रतिशत थी। आंकड़ों के मुताबिक अंडे, मसालों और दालों समेत अन्य खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर में फरवरी की तुलना में गिरावट आई है।

हालांकि फलों और सब्जियों की कीमतें मार्च में एक महीना पहले की तुलना में बढ़ गईं। वहीं ईंधन और प्रकाश खंड में भी खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी की तुलना में घटी है। सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत कम या अधिक) पर

सीमित रखने का दायित्व सौंपा हुआ है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों पर फैसला करते हुए खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को ही ध्यान में रखती है। केंद्रीय बैंक ने इस साल सामान्य मानसून की उम्मीद जताते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने अप्रैल-जून तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 4.9 प्रतिशत और सितंबर तिमाही में 3.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च महीने में ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति राष्ट्रीय औसत से अधिक 5.45 प्रतिशत रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 4.14 प्रतिशत से कम रही। सबसे अधिक मुद्रास्फीति ओडिशा में 7.05 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि यह दिल्ली में सबसे कम 2.29 प्रतिशत रही।

सरकार का चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन लक्ष्य 17 करोड़ टन तय

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में निजी उपयोग और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक से 17 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। बीते वित्त वर्ष में निजी उपयोग और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक से 14.71 करोड़ टन सूखा कोयले का उत्पादन किया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 11.6 करोड़ टन कोयला उत्पादन से 26 प्रतिशत ज्यादा था। एक अधिकारी ने कहा कि कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एम नागराजू ने चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन लक्ष्य की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में 74 कोयला खानों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अधिकारी ने कहा कि कोयला ब्लॉक आवंटियों को 2024-25 में 17 करोड़ टन उत्पादन लक्ष्य हासिल करने का भरोसा है। अतिरिक्त सचिव ने 2024-25 में नई खानों के संभावित परिचालन की योजनाओं की भी समीक्षा की। बीते वित्त वर्ष के कुल 14.72 करोड़ टन कोयला उत्पादन में बिजली क्षेत्र की निजी उपयोग वाली खानों ने 12.13 करोड़ टन का उत्पादन किया था, गैर-बिजली क्षेत्र की निजी उपयोग वाली खानों में 84 लाख टन कोयला उत्पादन किया। वाणिज्यिक खानों में 1.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन हुआ।

अडाणी का 2027-28 तक सीमेंट बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

अडानी ग्रुप ने वित्त वर्ष 2027-28 तक भारतीय सीमेंट बाजार में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। ग्रुप के पास अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड का स्वामित्व है। अंबुजा सीमेंट ने एक निवेशक प्रस्तुति में कहा कि अडानी सीमेंट कारोबार आंतरिक संसाधनों के जरिए अपने त्वरित पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को लागू करेगा और कर्ज मुक्त रहेगा। इसके अलावा अडानी समूह सीमेंट क्षमता विस्तार की रफ्तार भी बढ़ा रहा है और 16 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ इसके वित्त वर्ष 2027-28 तक 14 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुंचने की उम्मीद है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सीमेंट कारोबार में हिस्सेदारी बढ़ने से अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड को फायदा मिलेगा। इसका असर आने वाले दिनों में इन कंपनियों के शेयरों पर देखने को मिलेगा। इस समय अडानी सीमेंट, आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट के बाद इस क्षेत्र की दूसरी अग्रणी कंपनी है। अडानी सीमेंट ने कहा कि उसके पास कुल 800 करोड़ टन का चूना पत्थर का भंडार है, जो सीमेंट उद्योग के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है। इसके अलावा उसकी फ्लाई ऐश मांग का 40 प्रतिशत हिस्सा दीर्घकालिक व्यवस्था के तहत उपलब्ध है और यह आंकड़ा 2028 तक बढ़कर 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडानी की कंपनियों पर वित्तीय अनियमितता के आरोपों से निकलने के बाद ग्रुप लगातार

अपने कारोबार को विस्तार दे रहा है। पोर्ट, इंफ्रा, एविएशन समेत तमाम कारोबार को बड़ा करने पर ग्रुप बड़ा निवेश कर रहा है। इसके परिणाम आने वाले समय में दिखाई देने लगेगा।

रेल यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर मिलेगा निशुल्क ठंडा पानी

- भीषण गर्मी में भारतीय रेलवे ने कुछ स्टेशनों में खास व्यवस्था की

नई दिल्ली ।

गर्मियां शुरू होते ही रेलवे स्टेशनों में पीने के पानी की मांग बढ़ गई है। यात्रियों की इस परेशानी को देखते हुए भारतीय रेलवे ने कुछ स्टेशनों में खास व्यवस्था की है। यहां से सफर करने वाले यात्रियों को पीने के पानी के लिए पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे।

भीषण गर्मी के प्रकोप से जूझ रहे रेल यात्रियों को निशुल्क ठंडा पानी वितरण शिविर आयोजन के लिए 6 गैर सरकारी संस्थाओं से कोआर्डीनेट करते हुए उन्हें ग्वालियर, मुरैना, भिंड, डबरा एवं बेलाताल स्टेशन पर सभी प्लेटफ़ॉर्म पर शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु अनुमति प्रदान की गई है। शीतल पेय जल शिविर हेतु विशेष तौर पर ऐसे स्थान चिन्हित कराये जा रहे हैं, जहां से खानपान इकाई या वाटर प्वाइंट दूर हों, ताकि पेयजल में असुविधा ना हो। उल्लेखनीय है कि मंडल के अधिकारियों द्वारा भी उक्त शिविर में श्रमदान कर सभी का प्रोत्साहन किया जाता है तथा यात्रियों के हितार्थ सुविधा प्रदान करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। वहीं उपलब्ध वाटर कूलर्स की स्थिति तथा नलों में पानी की उपलब्धता पर दैनिक रूप से रिपोर्टिंग के ज़रिये सघन निगरानी रखी जा रही है तथा सभी कैटरिंग स्टाल तथा यूनिट्स को पानी बोतल की उपलब्धता शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। मंडल के स्टेशनों पर उपलब्ध वाटर वेंडिंग मशीन कांट्रेक्टर को भी मशीन के निर्बाध संचालन के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं।

कच्चा तेल सपाट, कई शहरों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ

- ब्रेंट क्रूड का भाव 90 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बरकरार है। ब्रेंट क्रूड का भाव 90 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चल रहा है। हालांकि, ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते जंग के आसार के चलते इसमें और तेजी आ सकती है। इस बीच 13 अप्रैल को देशभर में पेट्रोल-डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि अन्य राज्यों में ईंधन महंगा और सस्ता हो गया है। छत्तीसगढ़, दमन और द्वीप, गोवा समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल के दाम बढ़े हैं जबकि गुजरात, हरियाणा और कर्नाटक में ईंधन के दाम में कमी आई है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.89 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

भारत के 2028 तक चीन से आगे निकलने की संभावना

- घरेलू शेयर बाजार उम्मीद के रथ पर है सवार

नई दिल्ली । भारत के अगले कुछ सालों में यानी 2028 तक चीन से आगे निकलने की संभावना है। यह उम्मीद जताई है ब्लूमबर्ग के ताजा विश्लेषण में। पिछले साल ही भारत ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पीछे छोड़ा है। घरेलू शेयर बाजार उम्मीद के रथ पर सवार हैं। ये नित नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। विदेशी भारतीय शेयरों में जमकर पैसा लगाने में जुटे हैं।

बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण सोमवार को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया। सिर्फ इतना ही नहीं। भारत से एप्पल आईफोन निर्यात बढ़ा है। वित्त वर्ष 2022-23 में एप्पल भारत से 5 अरब डॉलर के निर्यात का आंकड़ा पार करने वाला पहला स्टैंडअलोन ब्रांड बन गया। इन जैसे फैक्टर और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की दिशा में मोदी सरकार के निरंतर प्रयासों को मिलाकर यह माना जा सकता है कि भारत वैश्विक आर्थिक विकास के इंजन के रूप में चीन से आगे निकल जाएगा। अभी भी चीन पर कोविड-19 महामारी का असर है। वह इससे उबरने की कोशिशों में जुटा है। चीन की 17.8 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। यह सिर्फ कोरोना महामारी के दुष्प्रभाव नहीं हैं, बल्कि अमेरिका और उसके सहयोगियों का स्थायी आर्थिक दबाव भी है। इसके अलावा एप्पल सहित कई व्यवसाय अब अपना व्यवसाय चीन से बाहर ले जाना चाहते हैं।

इस दशक के अंत तक चीन की इकनॉमिक ग्रोथ 2023 में 5.2 फीसदी से धीमी होकर 3.5 फीसदी होने का अनुमान है। दूसरी ओर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

आज मुंबई के बल्लेबाजों को रोकने की चुनौती सीएसके पर

मुंबई (एजेंसी)। गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मेजबान मुंबई इंडियंस (एमआई) रविवार को आमने सामने होंगी। तब सभी की नजरें महेंद्र सिंह धोनी पर रहेंगी जिनका वानखेड़े स्टेडियम पर संभवत- यह आखिरी मैच होगा।

सीएसके पहली बार मुंबई में धोनी की कप्तानी के बिना खेलेगी। नवंबर 2005 के बाद किसी भी टीम के साथ सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर वह यहां पहली बार खेलने वाले हैं। 42 वर्ष की उम्र में भी विकेट के पीछे धोनी कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं और खेल की उनकी समझ का कोई सानी नहीं है। चेन्नई को उम्मीद है कि बाहरी मैदान पर इस सत्र में खराब रिकॉर्ड सुधारने में धोनी का रणनीतिक कौशल काम आएगा। मुंबई के खिलाफ पिछले पांच मैचों में चेन्नई ने चार जीते हैं।

मुंबई ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया, जबकि चेन्नई की कमान धोनी ने रूतुराज गायकवाड़ को दे दी। इसके बावजूद दोनों टीमों की मैदानी प्रतिद्वंद्विता काफी कड़ी है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 200 के करीब का लक्ष्य हासिल करने वाले मुंबई के बल्लेबाजों को रोकना चेन्नई के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। खराब शुरूआत के बाद पंड्या की मुंबई इंडियंस ने वापसी की है। पिछले दो मैचों में उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है।

सूर्यकुमार यादव ने आरसीबी के खिलाफ 17 गेंद में अर्धशतक जड़ डाला। चेन्नई के गेंदबाजों ने चेपॉक की धीमी पिच पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन सपाट और बल्लेबाजों की मददगार पिचों पर अभी तक उनकी परीक्षा नहीं हुई है। ईशान किशन और रोहित शर्मा की शुरूआती साझेदारी मुंबई के लिए अहम होगी। दूसरी ओर चेन्नई को कप्तान गायकवाड़, रचिन रविंद्र, डेरिल मिचेल, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा और धोनी से अच्छी पारियों की उम्मीद होगी।

उन्हें जसप्रीत बुमराह (10 विकेट) से भी बचकर रहना होगा। चेन्नई की गेंदबाजी की कमान मुस्ताफिजूर रहमान , जडेजा, शार्दुल ठाकुर और तुषार देशपांडे के हाथों में होंगी।

टीम

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

चेन्नई सुपरकिंग्स- महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

विनेश ने डोपिंग में फंसाये जाने की आशंका जतायी

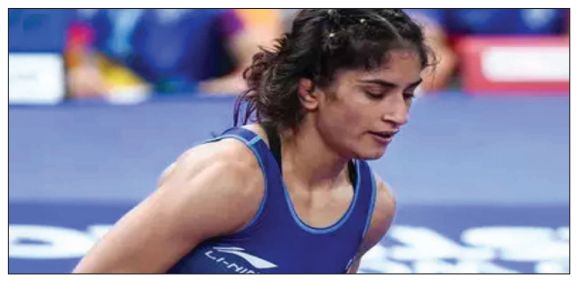

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह उन्हें ओलंपिक में खेलने से रोकने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं। विनेश के अनुसार उन्हें डोपिंग में भी फंसाया जा सकता है। विनेश ने 2019 और 2022 विश्व चैम्पियनशिप में 53 किलो में कांस्य और 2018 एशियाई खेलों में 50 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

विनेश का लक्ष्य अगले सप्ताह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाले एशियाई क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिये 50 किलो वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल करना है। इसके लिए पटियाला में चयन ट्रायल में उन्होंने 53 किलो में भी भाग लिया था पर सेमीफाइनल में हार गई थी। विनेश ने कहा, ''बृजभूषण और उसके करीबी संजय सिंह उसे ओलंपिक खेलने से रोकने के लिए कोई भी तरीका अपना सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम के साथ जो भी कोच हैं वह सभी बृजभूषण और संजय के करीबी हैं। ऐसे में ये लोग कुछ भी कर सकते हैं।'' इसलिए अगर मैं ऐसा कहूं कि मुझे डोप में फंसाने की साजिश हो सकती है तो ये गलत नहीं होगा। हमें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। साथ ही कहा कि 19 अप्रैल को एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर शुरू हो रहा है। इसलिए मैं खेल प्राधिकरण और टॉप्स से मेरे कोच और फिजियो की मान्यता के लिये अनुरोध कर रही हूं जिससे मुकाबले के दौरान से मेरे पास रह सकें।

सैमसन और चहल को मिल सकता है टी20 विश्वकप में अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र चहल का आईपीएल 2024 सत्र में अब तक का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। सैमसन ने जहां शानदार बल्लेबाजी की है वहीं चहल ने अपनी स्पिन का जादू दिखाया है। इसके बाद से ही कई दिग्गजों ने कहा है कि इन दोनो को आगामी टी20 विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। ये दोनो ही पिछले काफी समय से टीम में जगह बनाने का प्रयास कर रहे थे। सैमसन प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के कारण टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। वहीं चहल भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण बाहर हुए हैं।

अब आईपीएल से दोनों खिलाड़ियों की उम्मीदें बन रही है पर इन्हें आने वाले मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में दोनों ने खुद को साबित किया है हालांकि ऋषभ पंत की वापसी के बाद से सैमसन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की जगह हासिल करना तो कठिन है। इसके अलावा इस एक जगह के लिए केएल राहुल , जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल भी दौड़ में हैं। वहीं चहल की बात करें तो

आईपीएल में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें टीम में जगह मिल सकती है। उनका मुकाबला कुलदीप यादव से रहेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार चहल और सैमसन टी20 क्रिकेट से कभी बाहर नहीं हुए। चयनकर्ताओं की नजरें इन दोनो पर बनी हुई हैं। उनके बाहर होने का कारण हालात और हालिया प्रदर्शन के आधार पर किसी अन्य खिलाड़ी से पीछे रहना रहा है। सैमसन ने इस आईपीएल सत्र में 5 मैचों में 246 रन बनाये हैं। इस प्रकार वह 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे नंबर पर हैं। साथ ही सैमसन ने अब तक शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी की है।

घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। दो बार की आईपीएम चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपने होम ग्राउंड ईडन गार्डंस पर रविवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उतरेगी केकेआर का लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा। ईडन गार्डंस पर केकेआर का इस आईपीएल सीजन का पहला मैच होगा । मैच रविवार शाम 7.30 बजे शुरू होगा। लखनऊ और केकेआर दोनों टीमों ने तीन तीन जीत दर्ज की है। केकेआर को वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नारायण पर अत्यधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ साबित होगा । चेन्नई ने पिछले मैच में केकेआर को सात विकेट से हराया । ऊंगली की चोट के कारण नीतिश राणा यह मैच भी नहीं खेल सकेंगे । वेंकटेश अय्यर तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाये और एकमात्र अर्धशतक रॉयल चैलेंजर्स

बेंगलोर के खिलाफ लगाया । सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मैच में वह तीसरे नंबर पर उतरे लेकिन पिछले दो मैचों में सातवें और पांचवें नंबर पर उतरे। रमनदीप सिंह ने भी प्रभावित नहीं किया । मिचेल स्टार्क गेंदबाजी में नाकाम रहे हैं और उन्होंने पहले दो मैचों में 100 रन दिए हैं।

दूसरी ओर लखनऊ को अपने तेज गेंदबाज मयंक यादव की कमी खलेगी जो मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर हैं । उनकी जगह मैच खेल रहे अरशद खान दिल्ली के खिलाफ मैच में कुछ ज्यादा अच्छा नहीं कर सके। मोहसिन खान भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हैं। केकेआर के खिलाफ क्विंटोन डिकॉक और केएल राहुल को बड़ी पारियां खेलनी होगी । वहीं मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी । उनके पास रवि बिश्नोई और कृणाल पंड्या जैसे बेहतरी स्पिनर हैं जो केकेआर के लिए खतरा बन सकते हैं।

टीम

लखनऊ सुपर जाइंट्स (एमएसजी) - केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के. गौतम, अर्शिन कुलकर्णी, एम. सिद्धार्थ, एष्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) - श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान।

सीए ने भारतीय टीम के दौरे के लिए तैयारियां शुरु कीं

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने भारतीय टीम के नवंबर में होने वाले दौरे की तैयारियां शुरु कर दी हैं । भारतीय टीम इस दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी । सीए ने इसके लिए आयोजन स्थल भी तय कर दिये हैं । पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा । सीरीज का दूसरा मैच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा और ब्रिस्बेन का द गाबा तीसरे टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा । बॉक्सिंग डे टेस्ट प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में होगा और सीरीज का आखिरी मैच सिडनी क्रिकेट मैदान में खेला जाएगा । सीए ने अभी तक अगले सत्र के लिए कार्यक्रम जारी नहीं किया है । हाल में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में यहां काफी कम दर्शक थे । ऐसे में प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने सीए पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर काम करेगा और दर्शकों को आकर्षित करने का प्रयास करेगा । यहां बिग बैश लीग में दर्शकों की तादाद काफी अच्छी रही है । सीए को उम्मीद है कि भारत और इंग्लैंड की टीमों के दौरे से पर्थ टेस्ट में दर्शकों की संख्या बढ़ेगी ।

सबसे कम गेंद पर 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने पंत

नई दिल्ली । विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिए क्रिकेट के मैदान पर वापसी शानदार रही है । दुर्घटना की वजह से करीब 15 महीने तक पंत क्रिकेट से दूर थे । वह आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे हैं । साथ ही लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में भी पंत ने शानदार बल्लेबाजी की । इस मैच में उनके 3 हजार आईपीएल रन भी पूरे हो गए । पंत ने आईपीएल में 2028 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किए हैं । वह सबसे कम गेंद पर 3 हजार रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं । अपनी विस्फोटक बैटिंग के लिए मशहूर पंत ने दिल्ली के लिए ही आईपीएल डेब्यू किया था । अपनी 103वीं पारी में उन्होंने 3 हजार रन बनाए । पंत से पहले यह रिकॉर्ड यूसुफ पठान के नाम था । यूसुफ ने आईपीएल के पहले ही सीजन में अपनी छाप छोड़ी थी । उन्होंने लीग में अपना आखिरी मैच 2019 में खेला था । 41 साल के पठान के नाम 154 पारी में 143 की स्ट्राइक रेट से 3204 रन हैं । सूर्यकुमार यादव आईपीएल के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार हैं । करियर की शुरुआत में सूर्या निचले क्रम में बल्लेबाजी करते थे । वह केकेआर के लिए फिनिशर थे । लेकिन 2018 में मुंबई इंडियंस में आने के बाद सूर्या को टॉप ऑर्डर में खेलने का मौका मिला । इसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और तब से हर सीजन में 300 से ज्यादा रन बनाए हैं । सुरेश रैना एक वक्त आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे । उन्होंने 2135 गेंदों पर लीग में अपने 3000 रन पूरे किए थे । चेन्नई सुपर किंग्स को खिताब जीतने में रैना अहम भूमिका निभा चुके हैं । नंबर तीन पर बैटिंग करते हुए उन्होंने कई बार टीम को मुश्किल परिस्थिति से निकाला है ।

नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने दूसरी बार 1 ओवर में ठोके 6 छक्के, बने पहले बल्लेबाज

खेल डैस्क - नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने इतिहास रचते हुए दूसरी बार टी20 इंटरनेशनल में 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने का कारनामा कर दिखाया है । ऐसा करने वाले वह दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं । ऐरी ने एशियाई खेल 2023 में मंगोलिया के खिलाफ केवल 9 गेंदों पर अर्धशतक बनाया था । इस दौरान भी उनके बल्ले से 6 लगातार छक्के निकले थे । इसी मैच में ऐरी ने युवराज सिंह के टी20ई क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड तोड़ दिया था । युवराज ने टी20 विश्व कप 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में अर्धशतक बनाया था । ऐरी ने केवल 9 गेंदों पर यह कारनामा कर दिखाया था । मौजूदा एसीसी प्रीमियर कप 2024 में कतर के कामरान खान के खिलाफ भी ऐरी ने छह गेंदों में छह छक्के लगाए । ऐरी ने 6 छक्के लगाकर 21 गेंदों में 64 रन बनाए, जिससे नेपाल की पारी 20 ओवर में 210/7 पर समाप्त हुई । ऐरी टी20ङ्क क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने के मामले में युवराज सिंह और कीरोन पोलार्ड की बराबरी पर आ गए हैं । वनडे क्रिकेट में यह उपलब्धि हर्शल गिब्स और यूएसए के जसकरन मल्होत्रा के नाम दर्ज है । बता दें कि ट्वंटी20 में ओवरऑल कीरोन पोलार्ड, युवराज सिंह, डेविड मिलर, मोइन अली, रयान बर्ल, मोहम्मद नबी, राकेप पटेल, जस्टिन ओनटोंग और दिमित्री मास्कारेनहास छह गेंदों में छह छक्के लगा चुके हैं ।

ऑस्ट्रेलिया से पांचवां टेस्ट भी हारा भारत, श्रृंखला में सूपड़ा साफ

पर्थ । (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम को पांचवें और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 3.2 से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 5.0 से जीत ली। पिछले चार मैचों में भारत को 1.5, 2.4, 1.2, 1.3 से पराजय का सामना करना पड़ा था। पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए यह दौरा काफी महत्वपूर्ण था। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (चौथा मिनट) और बॉबी सिंह धामी (53वां मिनट) ने गोल दागे। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हैवर्ड (20वां), के विलोट (38वां) और टिम ब्रांड (39वां) ने गोल किए।

भारत ने मैच में आक्रामक शुरूआत की। जुगराज सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई हाफ में जरमनप्रीत सिंह को गेंद सौंपी लेकिन वह उसे पकड़ नहीं पाए। भारत को चौथे मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके

कामयाबी दिलाई। हरमनप्रीत का यह श्रृंखला में तीसरा गोल था। ऑस्ट्रेलिया ने 20वें मिनट में हैवर्ड के गोल के दम पर बराबरी की। भारत के रिजर्व गोलकीपर सूरज करकेरा ने नाथन ई के शॉट पर मुस्तैदी से गोल बचाया।

हाफटाइम के बाद ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सूरज करकेरा ने गोल बचाया। भारत को 37वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत का निशाना चूक गया। ऑस्ट्रेलिया ने एक मिनट बाद विलोट के गोल के दम पर बढ़त बना ली। इसके एक मिनट बाद ब्रांड ने एडी ओकेंडेन के पास पर तीसरा गोल भी दाग दिया। भारत को 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन अमित रोहिदास गोल नहीं कर सके।

मेजबान टीम को मिले दो पेनल्टी कॉर्नर को भारतीय डिफेंस ने बचाया। भारत के लिए दूसरा गोल धामी ने आखिरी सीटी बजने से सात मिनट पहले रिवर्स हिट पर दागा। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था। इसके बाद हालांकि आस्ट्रेलियाई डिफेंडरों ने कोई गलती नहीं की और भारत बराबरी का गोल नहीं दाग सका।

आईएसएल फुटबॉल मुकाबले 19 अप्रैल से शुरू होंगे

मुंबई । फुटबॉल प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है । उनका इंतजार समाप्त होने जा रहा है । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल के प्ले ऑफ मुकाबले इसी 19 अप्रैल से शुरू होंगे । वहीं इसका फाइनल चार मई को होगा । इस टूर्नामेंट के आयोजकों फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) ने कहा कि फाइनल के स्थल की घोषणा शीघ्र ही होगी । आईएसएल ने अपने बयान में कहा, ''सत्र का फाइनल चार मई को खेला जाएगा । फाइनल में जगह बनाने के लिए 19 अप्रैल को प्ले ऑफ मुकाबले शुरु होंगे । वहीं इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले घरेलू और विरोधी के मैदान पर होने वाले मैचों के प्रारूप में ही खेले जाएंगे ।'' लीग चरण के अंत में शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगी । वहीं तीसरे से छठे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एक चरण का नॉकआउट मुकाबला होगा जिससे सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दो अन्य टीमें तय होंगी । प्ले ऑफ में जगह बनाने वाली छह टीम पहले ही तय हो गयी हैं इसमें चेन्नईयिन एसफसी, ओडिशा एफसी, एफसी गोवा और केरल ब्लास्टर्स एफसी के अलावा इसमें मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान जैसी टीमें शामिली हैं ।

पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर भाला फेंकना चाहते है नीरज

नई दिल्ली । भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अभी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में लगे है और उनका लक्ष्य इस बार 90 मीटर भाला फेंकना है । नीरज ने कहा कि जिस प्रकार से उनकी तैयारियां चल रही हैं । उसको देखते हुए वह ये आंकड़ा कुछ ही समय में हासिल कर लेंगे । चोपड़ा का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 2022 स्टॉकहोम डायमंड लीग के दौरान फेंका 89.94 मीटर का थ्रो रहा है । अभ्यास के दौरान वह 90 मीटर तक भाला

फेंक चुके हैं पर किसी प्रतियोगिता में वह अभी तक इस आंकड़े तक नहीं पहुंचे हैं । नीरज ने कहा कि मैं पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर दूर भाला फेंकने का प्रयास करूंगा । उम्मीद करता हूं कि ये लक्ष्य ओलंपिक से पहले हासिल हो जाएगा । वैसे अभी हर चीज सही दिशा में आगे बढ़ रही है, इसलिये लोगों को शायद ओलंपिक तक इंतजार नहीं करना पड़े और यह इससे पहले ही हो जाये ।।'' साथ ही कहा कि उनका अभ्यास अच्छा चल रहा है और इस दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस और 'स्ट्रेंथ' पर ध्यान लगाया है । उन्होंने कहा, ''सत्र की शुरूआत में ध्यान फिटनेस और 'स्ट्रेंथ' पर था, जिसमें भाला फेंकने की कोई विशेष ट्रेनिंग नहीं थी । मुझे लगता है कि इससे मेरी तकनीक में काफी सुधार हुआ । साथ ही दक्षिण अफ्रीका और तुर्की में भी 'स्ट्रेंथ' एंव अनुकूलन ट्रेनिंग का भी मुझे लाभ मिला है ।'' चोपड़ा ने कहा कि तोक्यो ओलंपिक की सफलता के बाद उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक में सहायता मिलेगी । साथ ही कहा कि यह मेरा दूसरा ओलंपिक है, इसलिये इस बार मैं पेरिस के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार हूं । जहां तक मानसिक ट्रेनिंग की बात है तो मैंने ज्यादा कुछ नहीं किया है ।

पूर्व क्रिकेटर डूल के बयान ने भारतीय चयनकर्ता की बढ़ा दी परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई जल्द ही 15 खिलाड़ियों का ऐलान कर सकती है। ऐलान से पहले न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर साइमन डूल ने चयनकर्ताओं की चिंताएं बढ़ा दी है। उनका कहना है कि अगर टी20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली ओपनिंग नहीं करते हैं, तब रिंकू सिंह की भारतीय प्लेइंग में जगह बन पाना मुश्किल हैं। उनका कहना है कि हरफनमौला हार्दिक पांड्या, ओपनर शुभमन गिल और विकेट कीपर ऋषभ पंत का भी टी20 वर्ल्ड कप में जगह बना पाना मुश्किल है। डूल ने कहा, मुझे लगता है कि विराट को ओपनिंग करनी चाहिए...100 प्रतिशत। मुझे नहीं लगता कि उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, क्योंकि अगर वह ऐसा करते हैं तब रिंकू चूक जाएंगे, और मेरी भारतीय प्लेइंग में रिंकू खेलने वाले है। इसलिए विराट को ओपनिंग बल्लेबाजी करनी होगी। अब वह किसके साथ ओपन करते है, यह आप पर निर्भर करता है। या वह रोहित शर्मा हो या जायसवाल, लेकिन कोहली को ओपनिंग करनी होगी, क्योंकि आधुनिक खेल में वह उनकी सर्वश्रेष्ठ पोजिशन है। वह तेज गेंदबाजों को किसी अन्य की तरह ही अच्छे से हिट करता है और वह गेंद को खूबसूरती से टाइम करता है। स्पिन के खिलाफ आकर शुरुआत करना उनका सबसे अच्छा विकल्प नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली ने केवल नौ बार ओपनिंग की है, जिसमें 161.29 की स्ट्राइक रेट से 400 रन बनाए हैं, जिसमें उनका एकमात्र टी20आई शतक भी शामिल है। आईपीएल इतिहास में, कोहली ने 135.93 की स्ट्राइक रेट से ओपनर के रूप में 3930 रन बनाए हैं। उनके आईपीएल करियर में सभी आठ शतक सलामी बल्लेबाज के रूप में आए है। कोहली के यही आंकड़े देखकर डूल उन्हें टी20 वर्ल्ड कप में भी ओपन करता देखना चाहते हैं। डूल ने कहा, यह मुझे बेवकूफी भरा लगता है, लेकिन अगर जायसवाल बाहर होते हैं, तब आप पास 3 पर संजू, 4 पर सूर्यकुमार, 5 और 6 पर दुबे और रिंकू, 7 पर जड़ेजा हो सकते हैं।

मुक्केबाजी में आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर के लिए अमित पंघाल भारतीय टीम में

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अमित पंघाल ने बैंकाक में 25 मई से दो जून तक होने वाले आखिरी ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिये भारतीय मुक्केबाजी टीम में वापसी की है। पिछले महीने इटली में ओलंपिक क्वालीफायर में खराब प्रदर्शन के बाद पांच मुक्केबाजों को दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह नहीं मिली है।

भारत के हाई परफॉर्मेंस निदेशक बर्नार्ड डुब्रे को भी पद छोड़ना पड़ा। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किले) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलो), छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा थापा (63.5 किलो), मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन लक्ष्य चाहर (80 किलो) और 2022 राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता जे लम्बोरिया (60 किलो) को टीम में जगह नहीं मिली है।

विश्व चैम्पियनशिप 2019 रजत पदक, 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2024 स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता पंघाल के पास दूसरे ओलंपिक में जगह पक्की करने का यह आखिरी मौका है। राष्ट्रीय चैम्पियन सचिन सिवाच (57 किलो) को भी टीम में जगह मिली है। हिमाचल प्रदेश के अबिनाश जामवाल 63.5 किलो वर्ग में थापा की जगह खेलेंगे जबकि अभिमन्यु लाउरा ने 80 किलो में लक्ष्य की जगह ली है।

अभी तक भारत के किसी भी पुरूष मुक्केबाज ने ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है। अभी तक निकहत जरीन (50 किलो), प्रीति पंवार (54 किलो) परवीन हुड्डा (57 किलो) और लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) ही ओलंपिक कोटा हासिल कर सकी हैं। महिला वर्ग में अंकुशिता बोरो इटली में 66 किलो में कोटा हासिल नहीं कर सकी जो 60 किलो में उतरेंगी।

टीम-

पुरूष - अमित पंघाल (51 किलो), सचिन सिवाच जूनियर (57 किलो), अबिनाश जामवाल (63.5 किलो), निशांत देव (71 किलो), अभिमन्यु लाउरा (80 किलो), संजीत (92 किलो) और नरेंदर बरवाल (प्लस 92 किलो)

महिला - अंकुशिता बोरो (60 किलो), अरूंधति चौधरी (66 किलो)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब अपनाओ नई हॉबीज

सिंगिंग, डांस, पेंटिंग...इसी तरह की हॉबीज तुम्हारी और तुम्हारे दोस्तों की होंगी। पर अगर तुम कुछ नई तरह की हॉबीज अपनाओगे तो तुम सबसे हटकर बन जाओगे। वैसे भी आने वाला समय तकनीकी युग होगा और उस समय तुम्हारी आज की हॉबीज ही तुम्हें सफलता दिलाएंगी। तुम अपनी हॉबीज में क्रिएटिविटी डालकर ऐसा कर सकते हो या नई हॉबीज भी अपना सकते हो। तो क्या हैं ये हॉबीज और इनके फायदे ...

स्विमिंग को बनाओ हॉबी

स्विमिंग से पूरे शरीर का व्यायाम होता है। यह जोड़ों पर दबाव डाले बगैर सांस, रक्त संचार में सुधार लाती है। जो बच्चे स्विमिंग पसंद करते हैं, उन्हें इससे बहुत लाभ मिलता है। ये लाभ उनकी बॉडी के लिए बहुत उपयोगी होता है। दरअसल, जब तुम स्विमिंग करते हो तो उस दौरान पूरे शरीर का मूवमेंट होता है। यह मूवमेंट शरीर में लचीलापन उत्पन्न कर देता है और इससे हृदय और फेफड़े स्वस्थ बने रहते हैं। इनसे शरीर में मजबूती आती है। यही नहीं, जिनकी लंबाई कम होती है, उनकी स्विमिंग करने से लंबाई भी बढ़ जाती है।

बारिश हो तो उतारो कैनवास पर

तुम में ऐसे बहुत से होनहार होंगे, जो कुछ देख कर कैनवास पर उसे हूबहू वैसा ही उतार देते हैं। लेकिन अधिकतर मामलों में तुम किसी बुक से नकल कर वह ड्राइंग बनाते हो। क्यों न अपनी इस हॉबी को अलग ढंग से आगे बढ़ाया जाए। जैसे अगर बारिश हो रही हो तो बाहर के नजारे को कैनवस पर उतारना शुरू करो। घर की बालकनी या खिड़की से बाहर ताक-झांक करो। तुम देखोगे कि बाहर एक से एक मजेदार सीन नजर आएंगे। सब्जी वाला भैया रेहड़ी दौड़ा कर सब्जियां बचा रहा होगा तो कुछ लोग एक ही छतरी से बारिश की बूंदों से बचने की कोशिश कर रहे होंगे। बस उस दृश्य को कैनवास पर कैद कर लो।

मनी मैनेजमेंट सीखो

जिस तरह घर के खर्च के लिए मम्मा बजट बनाती हैं, तुम भी अपने सारे खर्चों का एक रिकॉर्ड रख सकते हो। एक पेपर लो, उसे दो भागों में बांट दो। एक तरफ लिखो आमदनी, दूसरी ओर खर्चा। जब भी महीने में तुम्हारे पास पैसा कहीं से भी आए, उसे तारीख के साथ दर्ज करो। दूसरी ओर वह पैसा कहां गया, उसका भी हिसाब रखो। जब तुम्हें लगे कि कोई फिजूलखर्च किया है तो उसे लाल पैन से अंडरलाइन कर दो, ताकि आगे ऐसा न हो।

तकनीक को अपनाओ

आज जहां हर रोज नए-नए गैजेट्स आ रहे हैं, वहीं कुछ बड़ों के लिए उन्हें समझना भी मुश्किल होता है, लेकिन तुम छोटे उस्ताद तो उन गैजेट्स के सभी एप्लिकेशन झट से ढूंढ़ लेते हो और सभी फीचर का अच्छे से इस्तेमाल करना भी जानते हो।

अगर तुम्हारे अंदर भी यह हुनर है तो तकनीक के सहारे काम को जल्दी से जल्दी करना अपनी हॉबीज में शामिल कर लो। जैसे अपने कंप्यूटर को वाइरस से बचाने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेशन तकनीक सबको बताओ। अधिक से अधिक तकनीक ज्ञान हासिल करना जब तुम अपनी हॉबी में शामिल कर लोगे तो देखोगे कि सभी तुम्हें अपना दोस्त बनाना चाहेंगे और तुम्हारे मम्मी-पापा तो दूसरों से तारीफ करते नहीं थकेंगे।

बन जाओ हैरी पॉटर

हैरी पॉटर का नाम सुनते ही तुम्हें जादुई दुनिया की याद आ जाती होगी। बच्चों के अलावा बड़े भी उसकी किताबों व फिल्मों में रुचि दिखाते हैं। दरअसल हैरी पॉटर की जादुई शक्ति अपनी ओर खींचती है। तुमने कभी अपने सामने तो कभी फिल्मों में बहुत मैजिक शो देखे होंगे। मन में यह सवाल बार-बार उठता रहता है कि आखिर जादूगर अंकल ने कैसे उस व्यक्ति को आसमान में उछाल दिया, क्या उस छड़ी में कुछ जादुई शक्ति थी? अगर तुम इसे अपनी हॉबीज में शामिल करना चाहते हो तो मैजिक शो को करीब से देखो। संबंधित किताबें पढ़े।

खेलों को करीब से जानो

किसी खेल विशेष की तरफ तुम्हारा झुकाव जरूर होगा। बस तुम्हें यह पहचानना है कि किसमें बेहतर कर सकते हो और किसमें सुधार की गुंजाइश है। महानगर में बच्चों और युवाओं में क्रिकेट को लेकर जबर्दस्त बुखार है। लेकिन इसके लिए जरूरत होती है किसी योग्य गुरु या कोच की। इन दिनों तुम्हारी छुट्टियां भी चल रही हैं। क्यों न इन्हीं दिनों अपनी इन हॉबीज को आगे बढ़ाया जाए। अपनी ही सोसाइटी के उन दोस्तों को पहचानो, जो इस खेल में समान रुचि रखते हैं। बस फिर शाम किसी पार्क में या किसी कोच के माध्यम से अपने खेल में निखार लाओ। हो सकता है कि कल तुम्हारी खेलने की यह हॉबी तुम्हें बहुत बड़ा खिलाड़ी ही बना दे।

अपना क्लब बनाओ

अलग-अलग तो सभी कुछ न कुछ करते हैं, मगर सभी को साथ लेकर सभी की हॉबीज को एक साथ एक छत के नीचे समान अवसर देना भी किसी कला से कम नहीं। ऐसा ही कुछ करते हैं वसुंधरा एन्कलेव, दिल्ली में कुछ बच्चे, जो मिलजुलकर 'चकमक क्लब' चलाते हैं। खाली समय में इस क्लब के लिए अपना-अपना योगदान देते हैं। इस क्लब की शुरुआत तब हुई जब सोसायटी के बच्चों ने मिलकर अपने विचार दूसरों तक पहुंचाने के लिए 'नन्हीं कलम' नाम से पत्रिका निकाली। इसमें बच्चों द्वारा लिखी गई कविताएं, कहानियां व छुटपुट समस्याएं आदि होती हैं। इस पर खर्च अधिक न हो, इसके लिए जिसकी रचना छपती, लिखाई भी उसी की होती। पूरी पत्रिका को हाथ से ही लिखा जाता। मगर पत्रिका बहुत साफ-सुथरी लगती। पढ़ने वाले को कहीं अड़चन नहीं आती। कुछ बड़े-बड़े लोग, जिन्होंने काफी नाम कमाया है, उनकी रचनाएं भी छपी हैं, वे भी उनकी लिखाई में ही लिखी होती हैं। फिर फोटोकॉपी कराकर इसकी प्रतियां बांटी जातीं हैं। सब बच्चे पूरे मन से इसकी बाइंडिंग आदि के काम में जुट जाते हैं।

हॉबीज से मिली जिन्हें प्रेरणा...

दादा साहेब फाल्के

दादा साहेब फाल्के को भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाता है, क्योंकि उनकी बनाई हुई फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' (1913) भारत की पहली फिल्म थी। उनके नाम पर स्थापित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार फिल्म जगत की एक जानी-मानी हस्ती को हर वर्ष दिया जाता है। दादा साहेब फाल्के का पूरा नाम धुंधिराज गोविन्द फाल्के था। उनका जन्म 30 अप्रैल 1870 को महाराष्ट्र के त्रयम्बकेश्वर (नासिक) नामक स्थान पर हुआ था। बचपन से ही उनकी कला संबंधी विषयों में बहुत रुचि थी। 15 वर्ष की आयु में आजीविका कमाने के लिए ड्राइंग सीखने वे जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स, बंबई में भर्ती हुए, लेकिन कलाओं में रुचि होने के कारण उन्होंने बड़ौदा के कला भवन में फोटोग्राफी, मॉडलिंग, आर्किटेक्चर और जादू जैसी कलाएं भी सीखीं। इन कलाओं से उनको बड़ी ऊर्जा मिली और आगे चल कर ये उनके फिल्म निर्माण के काम में बड़ी सहायक सिद्ध हुईं।

सर सीवी रमन

रमन प्रभाव के जनक सर चंद्रशेखर वेंकटरमन को 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला। 1954 में उन्हें 'भारतरत्न' से अलंकृत किया गया। उनका जन्म तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के पास एक गांव में हुआ। बालक चंद्रशेखर वेंकटरमन को नैतिक शास्त्र, गणित और दर्शनशास्त्र का ज्ञान अपने पिता से विरासत में मिला। स्वयं उनकी भी इन विषयों में बहुत रुचि थी। बचपन में ही वे वॉयलिन बहुत अच्छा बजाने लगे थे। इस वाद्य यंत्र ने वेंकटरमन के वैज्ञानिक मन को बहुत प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान की। कॉलेज में पढ़ते समय उन्होंने तारों की झनकार पर प्रयोग किए थे। आगे भी उन्होंने इस विषय पर कई प्रयोग किए।

इंदिरा गांधी

इनका जन्म 19 नवंबर, 1917 को नेहरू परिवार में इलाहाबाद के आनंद भवन में हुआ। आनंद भवन में हरदम राजनीतिक वातावरण बना रहता, इसीलिए बचपन में ही इंदिरा की रुचि राजनीति में हो गई। बारह-तेरह वर्ष की उम्र में ही वे राजनीति में उतर आईं। उस समय उन्होंने कांग्रेस की सहायता के लिए बच्चों की एक वानर सेना बनाई, जिसमें 70,000 बाल सैनिक तैयार हो गए। बचपन में बनाई यह वानर सेना इंदिरा को प्रेरणा देती रही और वे राजनीति में आगे बढ़ती रहीं।

हॉबीज के फायदे

आगे बढ़ोगे

आज तुम जैसे बच्चे टीवी के अनेक सीरियल्स में छाए हुए हैं। अधिकतर विज्ञापनों में तुम बच्चे ही नजर आते हो। दरअसल ऐसे बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ स्कूल के नाटकों, प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने में कभी नहीं हिचकते।

होते हैं रिफ्लेक्सेस शॉर्प

क्लास में जब तुम्हारी टीचर अचानक से कुछ पूछती हैं तो स्मार्ट बच्चे तुरंत उत्तर दे देते हैं। तुम गौर करना, उनकी कोई न कोई मजेदार हॉबी जरूर होगी। उनकी वह एक्टिविटीज रिफ्लेक्सेस को शॉर्प करती हैं। जैसे डिबेट में भाग ले रहे उस हाजिर जवाब बच्चे को देखो, जो तुम्हारे प्रश्न पूछने पर घबराता, ठिठकता नहीं, तुरंत उसका जवाब दे देता है। उस बॉक्सर को देखो, जो अपनी ओर आ रहे पंच को पहले से भांप लेता है और बचाव के लिए चौकन्ना हो जाता है।

नजरिए में बदलाव

हॉबीज से तुम पॉजिटिव हो जाते हो। तुम्हें लगने लगता है कि तुम किसी भी क्षेत्र में कुछ भी कर सकते हो। ऐसे बच्चों को देख कर ही लगता है कि वे आत्मविश्वासी हैं। हॉबीज जहां तुम्हें अनुशासित बनाती हैं, वहीं तुम्हारे अंदर टीम स्प्रिट की भावना पैदा करती हैं, तुम्हें समय का पाबंद बनाती हैं।

कॅरियर की राह

अगर तुम भी स्पेनिश, फ्रेंच, या अंग्रेजी क्लब का हिस्सा हो तो उस भाषा में महारत हासिल कर लो। क्या पता, कल खेल-खेल में सीखी यही भाषा तुम्हारी ताकत बन जाए, तुम्हें कॅरियर की कोई राह सुझा दे। इसलिए तुम अभी से अपनी कोई हॉबी चूज कर लो और उसमें आगे बढ़े।

खाली बैठे हो तो.. कुछ क्रिएटिव करो

प्यारे बच्चों, नोलॉजी नामक इस वेबसाइट का नाम सुनकर जरूर तुम्हें फनी लगा होगा। जैसा नाम है, वैसा ही इसका काम भी है। अपने नाम के अनुरूप ही यहां पर तुम्हारे लिए ढेर सारे फन और मस्ती का इंतजाम है।

आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स में बढ़ाओ ज्ञान

वेबसाइट के क्राफ्ट्स सेक्शन में काफी कुछ है। इस सेक्शन पर क्लिक कर तुम अपनी आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स क्रिएटिविटी में निखार ला सकते हो। यहां पर क्लिक करने पर तुम्हें तरह-तरह के डिजाइन और कई तरह के आकर्षक और क्रिएटिव सामान बनाने के बारे में जानकारी मिलेगी। टिशू पेपर, पेंसिल, चार्ट पेपर, ग्लू आदि का इस्तेमाल कर तुम कई तरह के आकर्षक कार्ड, पेंटिंग, टीशर्ट पेंटिंग आदि के बारे में सीख सकते हो।

जूनियर मास्टर शेफ की ट्रेनिंग लो यहां

यह वेबसाइट तुम्हें जूनियर मास्टर शेफ बना सकती है। रेसिपी के सेक्शन पर क्लिक करने पर तुम्हें ढेर सारी रेसिपी के बारे में जानकारी मिलेगी। इतने सहज तरीके से यहां पर रेसिपी बनाने के बारे में बताया गया है कि तुम एक बार पढ़कर ही किचन में ट्राई करने चले जाओगे। यहां से ट्रेनिंग लेकर और रेसिपी बनाने में मास्टर बनकर टीवी पर आनेवाले शेफ प्रोग्राम्स में हिस्सा भी ले सकते हो।

मैजिशियन बनो

तुम्हें मैजिक देखना कितना अच्छा लगता है। तुम चाहो तो यहां दिए टिप्स का इस्तेमाल कर मैजिशियन भी बन सकते हो। बहुत सारी आसान मैजिक ट्रिक्स को काफी आसान तरीके से यहां बताया गया है, जिन्हें सीखकर दोस्तों और घरवालों के सामने दिखाकर तुम छोटा जादूगर बन सकते हो ।

अमेजिंग फैक्ट्स हैं भरपूर

वेबसाइट के ट्रिविया सेक्शन को क्लिक करने पर तुम्हें ढेर सारे अमेजिंग फैक्ट्स के बारे में जानकारी हासिल होगी। यहां पर पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, कीड़े-मकोड़े, मनुष्य, भाषा, अंतरिक्ष, मौसम और वातावरण के बारे में कई सारी अद्भुत जानकारियां हैं, जो कहीं और तुम्हें ढूंढ़ने से भी नहीं मिलेंगी।

जोक्स और गेम्स का लुत्फ उठाओ

खास तुम्हारे लिए जोक्स सेक्शन में काफी मजेदार चुटकुले हैं। एनिमल जोक्स, बर्ड जोक्स, हॉलिडे जोक्स, स्पेस जोक्स, मिक्स एंड मैच जोक्स पर क्लिक करने पर ऐसे-ऐसे चुटकुले मिलेंगे, जिन्हें पढ़कर तुम हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाओगे। इसके अलावा गेम्स में कई तरह के इंडोर और आउटडोर गेम्स के बारे में भी जानकारी है। तो देर किस बात की, पापा के मोबाइल या लैपटॉप पर इंटरनेट ऑन करो और इस वेबसाइट पर क्लिक करके अपनी क्रिएटिविटी बढ़ाते हुए समर वेकेशन को यादगार बनाओ।

लिटिल मिलेनियम एप्स आजमाओ...

दोस्तों, हम आज तुम्हें ऐसे एप्स के बारे में बताएंगे, जहां तुम खेल सकते हो और बिना शुल्क दिए काफी कुछ नया भी सीख सकते हो। यहां हर तरह की एक्टिविटीज कर पाओगे और मम्मी रोकेंगी भी नहीं..

आजकल तुम्हारी गर्मियों की छुट्टियां चल रही हैं। दिन की धूप में जब मम्मी तुम्हें घर से बाहर नहीं जाने देती हैं तो तुम उस समय में कुछ ऐसा कर सकते हो, जिससे मम्मी भी खुश हो जाएं और तुम खेल भी लो। ऐसे ही एप्स हैं लिटिल मिलेनियम एप्स। इन एप्स की खासियत ये है कि इनमें तुम्हारे लिए पोयम्स, थीम्स, इंग्लिश स्पीकिंग मॉड्यूल्स तो हैं ही, साथ ही कई सारे गेम्स हैं, मैनर्स हैं और फन के तरीके भी। तुम्हें सबसे ज्यादा पसंद आएगा स्टोरी एप, जहां तुम कई सारी कहानियां सुन सकते हो और उनके विजुअल भी देख सकते हो। तुम अपने छोटे भाई-बहन को हाउ टू काउंट, पजल सॉल्विंग, डिफरेंस बिटवीन बिग एंड स्मॉल आदि के जरिए बिजी भी रख सकते हो।

मौत की सजा से बचाने केरल के लोगों ने जुटाए 34 करोड़ रुपये

रियाद। सउदी अरब में मौत की सजा से केरल के एक व्यक्ति को बचाने के लिए राज्य के लोगों ने 34 करोड़ रुपये चंदा कर इकट्ठा किए हैं। केरल में लोग कोझिकोड के निवासी अब्दुल रहीम को सउदी में मिली मौत की सजा से बचाने के लिए एक साथ आ गए हैं। रहीम को सजा से बचने के लिए 'ब्लड मनी' के तौर पर 18 अप्रैल से पहले करीब 34 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। सउदी में 'ब्लड मनी' का मतलब सजा से बचने के लिए सजा काट रहे पीड़ित के परिवार को धन का भुगतान करना होता है। रहीम 2006 में सऊदी अरब में एक लड़के की हत्या के आरोप में 18 साल से जेल में बंद है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सऊदी अरब में रहीम को 2006 में एक दिव्यांग लड़के की दुर्घटनावश मौत के बाद रहीम को जेल में डाल दिया गया था। दिव्यांग लड़के के परिवार द्वारा माफी देने से इनकार करने के बाद 2018 में रहीम को मौत की सजा सुनाई गई थी उसके सजा माफ कराने के लिए 34 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। जिसके लिए केरल के लोगों ने एकजुटता दिखते हुए चंदे से यह रकम जुटा ली है।

इजरायली हमलों में गाजा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 33,634 हुई

गाजा। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गाजा पट्टी में लगातार जारी इजरायली हमलों के कारण मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 33,634 और घायलों की तादाद 76,214 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में जो आंकड़े जारी किए हैं उनके मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना द्वारा की गई कार्रवाई में 89 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है, जबकि 120 अन्य लोग घायल हुए हैं। इजराइली हमले के बाद कुछ पीड़ितों के शव मलबे के नीचे दब गए और कुछ शव सड़कों पर बिखरे रहे क्योंकि इजरायली सेना ने एम्बुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल को उन तक पहुंचने से रोक दिया। इस बीच, फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों का कहना था कि वेस्ट बैंक में इजरायली बलों और नागरिकों के साथ टकराव में शुक्रवार को कम से कम 3 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। हमास ने पुष्टि की है कि मारे गए लोगों में से एक स्थानीय कमांडर भी था। यहां बतलाते चलें कि 07 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायल में हमास द्वारा किए गए हमले के बाद से ही इज़रायल ने गाजा में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं, जो कि अभी तक रुके नहीं हैं। इससे गाजा में मरने वालों का आंकड़ा दिन व दिन बढ़ता ही जा रहा है।

कनाडा ने अपने कर्मचारियों की संख्या में की कटौती

टोरंटो । कनाडा ने भारत में अपने राजनयिक मिशन में तैनात भारतीय कर्मचारियों की संख्या को घटा दिया है। कनाडा उच्चायोग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि मैं पुष्टि करता हूं कि कनाडा सरकार ने भारत में राजनयिक मिशन में कर्मचारियों की संख्या घटाई है। उन्होंने कहा कि भारत में राजनयिक मिशन में कर्मचारियों की संख्या में कटौती का फैसला जरुरी था। उन्होंने कहा कि कनाडा उच्चायोग भारत में अपने स्थानीय कर्मचारियों के समर्पण और सेवा के लिए आभार मानता है।

इक्वाडोर में बस पलटी, 4 की मौत

क्विटो। दक्षिणी इक्वाडोर में राजमार्ग पर बस के पलट जाने से करीब चार लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य लोग घायल हो गए हैं। अटॉर्नी जनरल कार्यालय (एफजीई) ने सड़क दुर्घअना की जानकारी दी है। एफजीई ने सोशल मीडिया के प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा, कि दुर्घटना के बाद तत्काल बचाव व जरुरी कार्रवाई का आदेश दे दिया गया है। बस चालक को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस संबंध में इक्वाडोर के खेल मंत्री एंड्रेस गुशमर का कहना था कि उक्त बस एक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ लोजा के एक प्रतिनिधिमंडल और कुछ परिवार के सदस्यों को ले जा रही थी। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि प्रतिनिधिमंडल में 8-12 वर्ष की आयु के बाल ताइक्वांडो एथलीट शामिल थे, जो इस सप्ताहांत के लिए निर्धारित प्रतियोगी आयोजन में भाग लेने के लिए दक्षिणी शहर कुएनका जा रहे थे।

पाकिस्तान की बारूदी सुरंग में हुए विस्फोट में 3 बच्चों की मौत

इस्लामाबाद, । पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में कम से कम 3 बच्चों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान के आदिवा जिले में हुआ। यहां खेल रहे बच्चों का पैर बारूदी सुरंग पर पड़ा और विस्फोट हो गया, जिसमें 3 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक अन्य घायल बच्चे को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सूत्रों का कहना है कि सुरक्षा कारणों से सुदूर गांव में बारूदी सुरंग बिछाने का काम किया गया था। वहीं यह हादसा घटित हो गया और बच्चों की जानें चलीं गईं।

अल्पसंख्यक महिलाओं के उत्पीड़न को लेकर यूएन ने की पाकिस्तान की आलोचना

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान की आलोचना की। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाई और हिंदू समुदाय से जुड़ी युवतियों और लड़कियों के लिए सुरक्षा की कमी पर निराशा व्यक्त करते हुए विशेषज्ञों ने कहा है कि देश को संबंधित अंतरराष्ट्रीय संधि के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की जरूरत है। विशेषज्ञों ने कहा कि ईसाई और हिंदू लड़कियों को जबरन धर्म परिवर्तन, अपहरण, तस्करी, बाल विवाह, जबरन शादी, घरेलू दासता और यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के उच्चायुक्त कार्यालय के बयान में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित महिलाओं और लड़कियों के साथ इस तरह के व्यवहार को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को संधियों के अनुरूप अपने दायित्वों को बनाए रखने और जबरन धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने की जरूरत है।

पाकिस्तान में आंतकियों ने की 11 लोगों की हत्या, बंदूक की नोंक पर पहले बनाया बंधक

लाहौर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने करीब 11 लोगों की हत्या कर दी। जिसमें नौ बस यात्री शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पहली घटना में सशस्त्र हमलावरों ने नोश्की जिले में एक राजमार्ग पर एक बस रुकवाकर बंदूक का डर दिखाकर नौ पुरुषों का अपहरण कर लिया। इसके बाद में इन नौ पुरुषों के शव नजदीकी पर्वतीय इलाके में एक पुल के समीप मिले और उनके शरीर पर गोलियों के निशान पाए गए।'' उन्होंने बताया, यह बस क्वेटा से ताफ्तान जा रही थी तभी सशस्त्र हमलावरों ने बस रुकावकर यात्रियों की पहचान करने के बाद नौ पुरुषों को अगवा करके पर्वतीय इलाकों में ले गए।'' एक अन्य घटना में इसी राजमार्ग पर एक कार पर गोलीबारी हुई, जिसमें दो यात्रियों की मौत हुई तथा दो अन्य घायल हो गए। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कहा कि 11 लोगों की हत्या में शामिल आतंकवादियों को बख्शा नहीं किया जाएगा और उन्हें जल्द ही पकड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इन आतंकवादियों का उद्देश्य बलूचिस्तान की शांति भंग करना है। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मुश्किल वक्त में मृतक के परिवारों के साथ है।

ऑर?ट्रेलिया के सिडनी शहर के मॉल में चाकूबाजी....4 लोगों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में स्थित वेस्टफील्ड बोंडी जंक्शन मॉल में तब हड़कंप मच गया, जब चाकूबाजी की खौफनाक घटना हुई। बताया जा रहा है कि चाकूबाजी में 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं हमलावर को पुलिस ने गोली मार दी है। पुलिस ने बताया कि इमरजेंसी सेवाओं को शाम को 4 बजे से पहले वेस्टफील्ड बोंडी जंक्शन मॉल में बुलाया गया था।

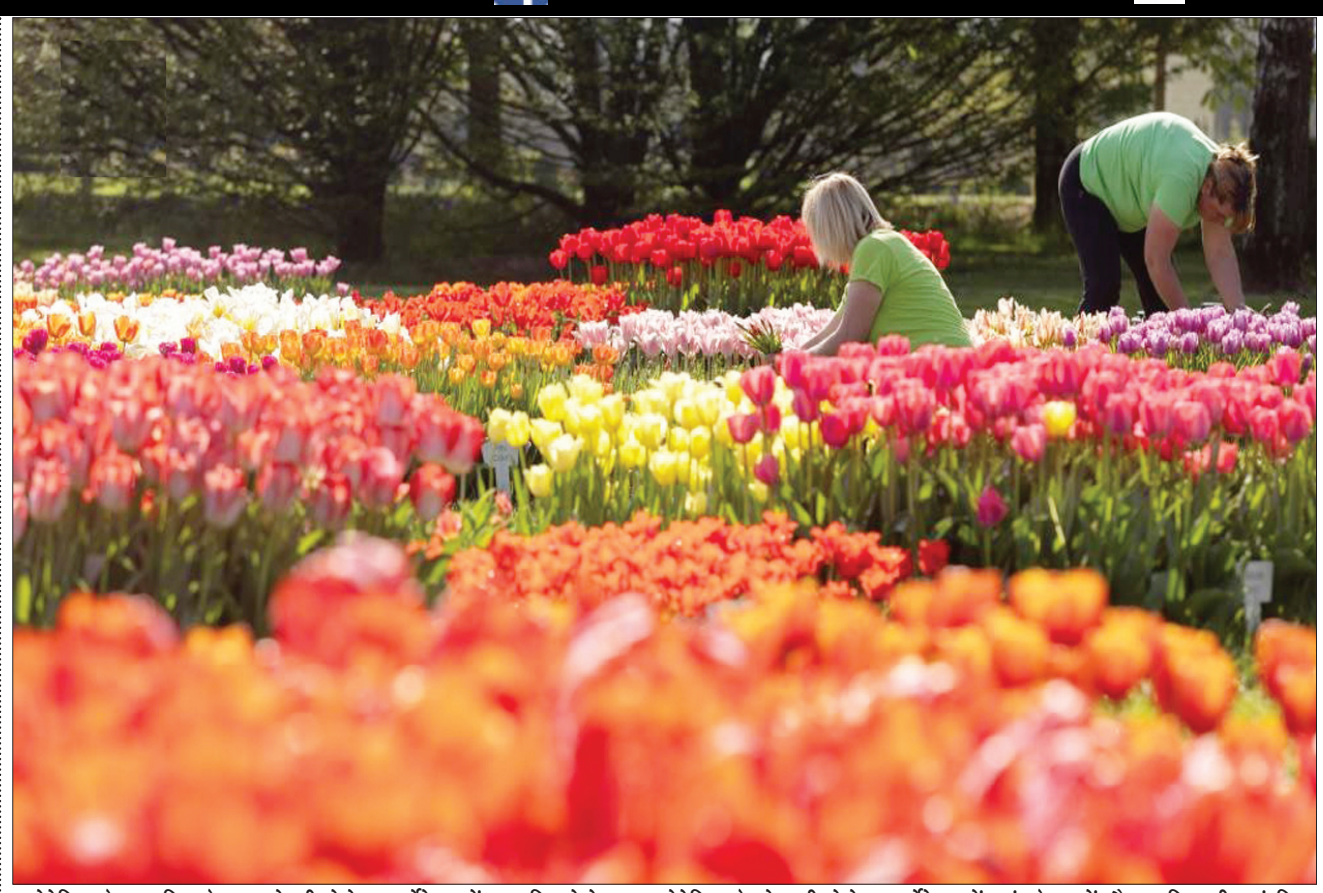

स्लोवेनिया के कामनिक के पास वोल्जी पोटोक आर्बोरेटम में 5 ट्यूलिप देखे गए। स्लोवेनिया के वोल्क्जी पोटोक आर्बोरेटम में वसंत के फूलों और ट्यूलिप की पारंपरिक प्रदर्शनी को आगंतुकों ने बड़े उत्साह के साथ देखा।

यूक्रेन-थीम शिखर सम्मेलन का पुतिन ने उड़ाया मजाक

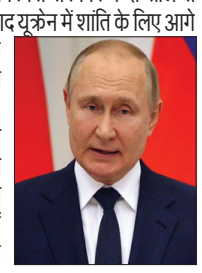

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जून में यूक्रेन शांति वार्ता के नियोजित दौर का मजाक उड़ाकर कहा कि यह इतना दुखद नहीं होता, तब हास्यास्पद होता अगर रूस को दो युद्धरत पक्षों में शांति लाने के लिए वार्ता की मेज पर आमंत्रित नहीं किया जाता है। सप्ताह की शुरुआत में स्विस सरकार ने दो साल से अधिक के विनाशकारी युद्ध के बाद यूक्रेन में शांति के लिए आगे बढ़ने के रास्ते पर चर्चा करने के लिए 100 से अधिक देशों को आमंत्रित करते हुए एक उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि रूस भविष्य में शांति प्रयासों में संभावित रूप से भाग ले सकता है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी थी कि अगर यूक्रेन के साथ संभावित युद्धविराम वार्ता मास्को के हितों को ध्यान में नहीं रखती है, तब यह समय की बेकार बर्बादी हो सकती है। पुतिन ने बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ बैठक के दौरान कहा कि वह यूक्रेन-थीम शिखर सम्मेलन को एक तरह का एक सनकी शो मानते हैं। पुतिन ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि वे मानते हैं कि हम वहां के नहीं हैं। और साथ ही उनका कहना है कि हमारे बिना कुछ भी सुलझाना नामुमकिन है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को बंदूक की नोक पर समझौतों पर हस्ताक्षर नहीं करवाना चाहिए और कीव से अपने सैनिकों को वापस नहीं लेना चाहिए। लेकिन फिर पश्चिम के दबाव में यूक्रेनी पक्ष इन समझौतों से बाहर निकल गया। पुतिन ने कहा कि ऐसा करने के तुरंत बाद, हमारे समझौतों को कूड़ेदान में फेंक दिया गया।

ईरान की धमकी से सुपर पॉवर डरा, इजराइल में भी अलर्ट जारी

- अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी, इजरायल जाने से बचे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजरायल द्वारा सीरिया स्थित ईरान के राजनयिक दफ्तर पर एयरस्ट्राइक की थी। जिसमें ईरान के एक टॉप जनरल समेत 12 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने बदला लेने की कसम खाई थी और धमकी दी कि वह इजरायल पर हमला करेगा। उसकी धमकी से सुपरपावर अमेरिका की भी नींद उड़ गई है। अमेरिका ने अब अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है और कहा है कि वे इजरायल जाने से परहेज करें। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां ईरान कभी भी हमला कर सकता है।

जानकारी के अनुसार अमेरिका ने अपने दूतावास के स्टाफ से भी कहा है कि ग्रेटर येरूशलम, तेल अवीव से बाहर यात्रा न करें। ये दोनों प्रमुख शहरों में इजरायल के मजबूत सुरक्षा इंतेजाम हैं, लेकिन सुदूर इलाकों में ईरान के हमले से नुकसान हो सकता है। यही नहीं इस मामले में ब्रिटेन ने दखल दिया है और उसके विदेश मंत्री लॉर्ड कैमरून ने ईरान से कहा है कि वह हमला करने से परहेज करे। इजरायल ने अब तक सीरिया में हुए हमले की न तो जिम्मेदारी ली है और ना ही खंडन किया है। ऐसे में ईरान का दावा और मजबूत हो रहा है कि यहूदी मुल्क ने ही अटैक किया था।

इजरायल और ईरान की तनातनी ने युद्ध के दूसरे देशों में भी फैलने का डर बढ़ा दिया है। अब तक यह जंग इजरायल और हमास के बीच ही थी। अब यदि ईरान इसमें उतरता है तो कुछ और शक्तियां इजरायल का समर्थन कर सकती हैं। ऐसी स्थिति गंभीर संकट पैदा हो सकता है। यही नहीं कुछ विश्लेषक मानते हैं कि ऐसे में विश्व युद्ध के भी हालात बन सकते हैं। इस जंग में ईरान और इजरायल के टकराव की आशंका बढ़ने की कुछ वजहें भी हैं। एक तरफ ईरान को लेकर माना जाता है कि वह हमास और हिजबुल्लाह का समर्थक है और उन्हें हथियार सप्लाई करवाता है।

वहीं इजरायल की कोशिश है कि सीरिया, इराक जैसे देशों में ईरान का असर कम किया जाए। इजरायल की ओर से किए गए हमले की भी यही वजह मानी जा रही है। इस हमले में ईरान की कुद्स फोर्स के सीनियर कमांडर मारे गए थे, जो लेबनान और सीरिया में ऑपरेशंस की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ, जब पूरी दुनिया में पहले ही गाजा की जंग को लेकर चिंता है। खासतौर पर मुस्लिम देशों में तो ईद के मौके पर भी फिलिस्तीन के लिए दुआएं मांगी गईं और इजरायल विरोधी प्रदर्शन हुए।

सुनक सरकार ने पेश किए नए वीजा नियम, भारतीयों को होगी दिक्कत

लंदन (एजेंसी)। ऋषि सुनक सरकार ने देश में प्रवासियों की आमद को कम करने के लिए ब्रिटेन में नए वीजा नियम पेश किए हैं। इसमें प्रायोजन शुल्क में 55 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की गई है। भारतीय मूल के लोगों सहित, यूके के पारिवारिक वीजा के लिए प्रायोजन चाहने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अब न्यूनतम वार्षिक वेतन जीबीपी 29,000 होना चाहिए। पहले यह जीबीपी 18,600 था। अगले साल यह इनकम बढ़ाकर 38,700 जीबीपी कर दी जाएगी। यह पीएम सुनक और गृह सचिव जेम्स क्लेवरली के पैकेज में अंतिम उपाय है। यूके के गृह मंत्रालय ने कहा कि यह लीगल माइग्रेशन को कम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि यहां आने वालों लोगों के कारण यहां के करदाता पर बोझ न पड़े। हम बड़े पैमाने पर माइग्रेशन के साथ एक चरम बिंदु पर पहुंच गए हैं। ऐसा कोई सरल समाधान या आसान निर्णय नहीं है, जो संख्या को ब्रिटिश लोगों के लिए स्वीकार्य स्तर तक कम कर दे। मुझे लगता है कि यहां सिद्धांत सही है कि अगर लोग अपने परिवार के हिस्से के रूप में आश्रितों को इस देश में ला रहे हैं, तब उन्हें उनका भरण-पोषण करने में सक्षम होना चाहिए। बता दें कि 2023 में लगभग 3 लाख लोगों ने यूके में प्रवास किया था। इसके बाद गृह कार्यालय का कहना है कि इतना बड़ा आप्रवासन अब संभव नहीं होगा। सुनक सरकार ने पिछले साल पेश किए गए पैकेज के हिस्से के रूप में कई वीजा मानदंडों को सख्त किया है। अब छात्रों और देखभाल कर्मियों के लिए परिवार को यूके लाना करीब असंभव है। भारतीय लोग कुशल कार्य वीजा वाले शीर्ष प्रवासियों में शामिल हैं - 2021-22 में 13,380 भारतीय यूके माइग्रेट हुए थे जो 2022-23 में बढ़कर 21,837 हो गए यानी 63 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। मुख्य आवेदकों के साथ-साथ आश्रितों के लिए कुल वीजा का लगभग 38 प्रतिशत भारतीयों को मिला, इसके बाद 17 प्रतिशत नाइजीरियाई लोगों को मिला।

खामियों का खुलासा- उड़ान के बीच बोइंग ड्रीमलाइनर के हो सकते हैं टुकड़े, जांच में जुटा अमेरिका

न्यूयॉर्क। अमरीकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए), एक बोइंग इंजीनियर के दावों की जांच कर रहा है कि 787 ड्रीमलाइनर के धड़ के हिस्सों को अनुचित तरीके से एक साथ बांधा गया है और हजारों यात्राओं के बाद यह उड़ान के बीच में टूट सकते हैं। वर्जीनिया स्थित विमान उद्योग कंपनी बोइंग व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपोर द्वारा कंपनी के 787 ड्रीमलाइनर विमान की संरचनात्मक अखंडता के बारे में चिंता जताए जाने के बाद इस मामले में नए सिरे से जांच के दायरे में है। रिपोर्ट के मुताबिक इंजीनियर सैम सालेहपुर ने बोइंग में 10 वर्षों से अधिक समय तक काम किया है। दरअसल इस व्हिसलब्लोअर ने खुलासा किया है कि बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर में संरचनात्मक खामियां हैं, जिसके कारण यह उड़ान के बीच में ही टूट सकता है। इस खुलासे बाद अब एफएए व्हिसलब्लोअर के दावों की जांच कर रहा है। न्यूयॉर्क मीडिया के मुताबिक बोइंग कंपनी के हवाले से कहा कि 787 की समग्र संरचना का एक और लाभ यह है कि सामग्री पारंपरिक धातुओं की तरह खराब नहीं होती है और सेवा में कई दशकों तक रखरखाव को कम करती है। कंपनी ने कहा कि एक विमान 40 से 50 साल तक सेवा में रह सकता है।

बीजिंग-प्योंगयांग संबंधों का नया अध्याय, किम जोंग उन और चीन के शीर्ष अधिकारियों की मुलाकात

बीजिंग (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और चीन के शीर्ष विधायक ने शनिवार को बीजिंग-प्योंगयांग संबंधों के एक नए अध्याय की सराहना की, जो वर्षों में सहयोगियों के बीच सबसे उच्च स्तरीय बैठकों में से एक थी। बीजिंग के तीसरे सर्वोच्च पद के अधिकारी झाओ लेजी -चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की शक्तिशाली स्थायी समिति के सदस्य ने इस सप्ताह परमाणु-सशस्त्र उत्तर की सद्भावना यात्रा की, क्योंकि दोनों देशों ने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया।

चीन उत्तर कोरिया का सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक हितैषी और कूटनीतिक सहयोगी है, किम जोंग उन की सरकार पर बढ़ते हथियार परीक्षणों के जवाब में कड़े प्रतिबंध लगाने के लिए रूस के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रयासों में बाधा डाल रहा है। बीजिंग की राज्य समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, झाओ ने शुक्रवार को प्योंगयांग में चीन-डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया फ्रेंडशिप के वर्ष के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के बाद शनिवार को किम से मुलाकात की।

शिन्हुआ के अनुसार, उत्तर के आधिकारिक नाम का उपयोग करते हुए झाओ ने किम से कहा कि चीन ÷डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के साथ विकास संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने का इच्छुक है। झाओ ने किम से कहा कि चीन नए परिणाम प्राप्त करने, मजबूत पारस्परिक समर्थन जारी रखने और दोनों पक्षों के सामान्य हितों की रक्षा करने के लिए द्विपक्षीय व्यावहारिक और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग को बढ़ावा देने का इच्छुक है।

अमेरिका का दावा: इजरायल पर कभी भी हमला कर सकता है ईरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ईरान द्वारा कभी भी हमला करने की बात कही है। बाइडन ने इसी को देखते हुए ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि वह इजरायल पर हमला न करे, क्योंकि अमेरिका उसकी रक्षा के लिए खड़ा है। दूसरी ओर ईरान ने दूतावास पर हमले को उस पर हमले के रूप में देख रहा है। ईरान इस बार लेबनान में हिजबुल्लाह की सहायता के बजाय इजरायल पर सीधा हमला करने की योजना बना रहा है। बाइडन के बयान से पहले, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने भी इजराइल पर ईरान के हमले की आशंका जताई थी। हालांकि, उन्होंने कोई समयसीमा नहीं बताई कि कब ये हमला हो सकता है। कुल मिलाकर इजरायल और फलस्तीन में अभी जंग थमी भी नहीं है और एक नया युद्ध छिड़ने की कगार पर है। इस महीने की शुरुआत में दमिश्क में ईरान के दूतावास पर इजरायल ने हमला कर दिया था, जिसमें दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। इस हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

ईरानी हमले की आशंका को देखते हुए दूसरे देश भी एक्शन मोड में आ गए हैं। भारत, फ्रांस और रूस सहित कई देशों ने अपने नागरिकों को इन दोनों देशों की यात्रा न करने की चेतावनी दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी भारतीयों को सलाह दी जाती है कि वे अगली सूचना तक ईरान या इजराइल की यात्रा न करें। एडवाइजरी में कहा गया कि जो लोग अभी ईरान या इजराइल में रह रहे हैं, वो वहां के भारतीय दूतावासों से संपर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। ईरान में तकरीबन 4000 भारतीय रहते हैं तो वहीं इजराइल में 18500 भारतीय रहते हैं। जानकारी के अनुसार, भारत सरकार दोनों देशों से रह रहे भारतीयों की संभावित निकासी सहित विभिन्न स्थितियों से निपटने की तैयारी कर रही है। वहीं, ईरानी सूत्रों और अमेरिका के राजनयिकों ने कहा कि तेहरान ने वाशिंगटन को संकेत दिया है कि वह तनाव बढ़ाने से बचना चाहता है और जल्दबाजी नहीं करेगा।एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि पेंटागन इजरायल की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने की कोशिश में लग गया है।

ईरान ने किया जहाज पर कब्जा, 17 भारतीय सवार, अब छुड़ाने के लिए क्या करेंगे मोदी?

नई दिल्ली(एजेंसी)। खाड़ी में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा जब्त किए गए जहाज में 17 भारतीय सवार हैं और सुरक्षा, कल्याण और भारतीयों की शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने के लिए भारत पहले से ही ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। एक सूत्र ने कहा कि हमें पता है कि एक मालवाहक जहाज %एमएससी एरीज़% को ईरान ने अपने नियंत्रण में ले लिया है। हमें पता चला है कि जहाज पर 17 भारतीय नागरिक हैं। हम भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, कल्याण और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने के लिए तेहरान और दिल्ली दोनों में राजनयिक चैनलों के माध्यम से ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं।

इजरायली अरबपति इयाल ओफ़र से जुड़े एक जहाज को ईरान ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जब्त कर लिया। यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस को रिपोर्ट मिली कि अमीराती बंदरगाह शहर फुजैराह के करीब ÷क्षेत्रीय अधिकारियों÷ द्वारा एक जहाज को जब्त कर लिया गया है। इस बीच ईरानी राज्य मीडिया ने कहा कि जहाज कोएमएससी एरीज़ के रूप में पहचाना गया है।

समाचार एजेंसी एपी द्वारा देखे गए दृश्यों में कमांडो जहाज के डेक पर बैठे कंटेनरों के ढेर पर रेंगते हुए दिखाई दे रहे हैं। जहाज पर चालक दल के एक सदस्य को दूसरों से बाहर न आने का आग्रह करते हुए सुना जा सकता है। फिर वह अपने सहयोगियों को जहाज के पुल पर जाने के लिए कहता है क्योंकि डेक पर और अधिक कमांडो नीचे आते हैं। संभावित कवर फायर प्रदान करने के लिए एक कमांडो को दूसरों के ऊपर घुटने टेकते हुए देखा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस के सड़े गले सिस्टम को सुधारने का काम भाजपा सरकार कर रही है: खट्टर

चंडीगढ़।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा है कि पहले कांग्रस की सरकार रही है। उसने सड़ा गला सिस्टम डवलप करके रखा हुआ था। जब भाजपा सरकार आई तो सड़े गले सिस्टम की सफाई की। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में बीबीसी के नाम से एक उद्योग स्थापित कर रखा था जिसका अर्थ था बदलियां, भर्ती और सीएलयू उद्योग। इस उद्योग के नाम पर मोटी कमाई की जा रही थी, लेकिन भाजपा ने सत्ता में आने के बाद इस उद्योग को पूरी तरह से बंद कर दिया। पहले शिक्षकों की बदलियां ऑनलाइन की गई और अब हरियाणा के सभी 4 लाख कर्मचारी ऑनलाइन तबादले करवा पाएंगे।

खट्टर कहा कि पिछले 10 साल नरेंद्र मोदी और साढ़े 9 साल हरियाणा की सरकार ने सिस्टम बदलने का काम किया। किसानों को पहले अपनी जमीन की फर्द लेने के लिए तहसीलदार और पटवारी के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन सरकार ने इस सिस्टम को बदलकर इसे भी ऑनलाइन कर दिया। लोगों को राशन कार्ड बनवाने के लिए चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे ऑनलाइन किया। मरे हुए आदमियों की बुढ़ापा पेंशन कुछ लोग खा रहे थे, लेकिन भाजपा सरकार ने उस पर अंकुश लगाने का काम किया और अब सरकार ने उस चोरी को रोक कर विदुर और कुंवारों की पेंशन शुरू की है। उन्होंने कहा कि 2015 से पहले प्रदेश में केरोसिन के टैंकर आते थे और पेट्रोल और डीजल में मिलाकर उसे बेचा जाता था जिससे लोगों को भारी दिक्कतें होती थी। भाजपा सरकार ने प्रदेश को केरोसिन फ्री प्रदेश बनाने का काम किया। जीएसटी लागू की जिसका कुछ दिन तो विरोध हुआ, लेकिन आज जीएसटी के कारण देश प्रदेश व्यापारी और आम जनता सभी का भला हो रहा है। मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में इंस्पेक्टरी राज खत्म हो गया है। केंद्र सरकार ने गरीबों महिलाओं और युवाओं का बहुत ध्यान रखा है। बिजली की स्थिति पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के लोग कई बार सवाल करते हैं कि हरियाणा में कोई नया बिजली प्लांट नहीं लगाया। खुले दिल से उन्होंने माना कि हमने नया प्लांट नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि बिजली बनाने पर करीब सात रुपए यूनिट का खर्चा आता है,जबकि हमें ढाई से 3 रुपए यूनिट में बिजली मिल रही है। फिर हम बिजली का प्लांट क्यों लगाएं? उन्होंने कहा कि स्थिति को देखते हुए हरियाणा में अब दो नए बिजली प्लांट लगाने का काम किया जा रहा है। विपक्ष द्वारा मुफ्त बिजली देने के वायदे पर तंज कसते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग बिजली देंगे ही नहीं तो ऐसे में फ्री बिजली का क्या फायदा। वर्तमान सरकार हरियाणा में 24 घंटे बिजली दे रही है और बिजली के रेट पिछले साढ़े 9 साल में कभी नहीं बढ़ाए गए। कुछ क्षेत्रों में बिजली के रेट कम किए गए हैं।

कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पा रही

भाजपा सरकार ने नौकरियां मेरिट के आधार पर दी और सीएलयू के सिस्टम को पूरी तरह से पारदर्शी बनाने का काम किया। अब किसी भी काम के लिए किसी भी व्यक्ति को एक रुपया भी खर्च नहीं करना पड़ता। मनोहर लालयहां बरवाला कपास मंडी में हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रणजीत चौटाला के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास किसी सीट के लिए दावेदार ही नहीं है और अगर कहीं पर दावेदार हैं तो वहां उनके बीच इतनी लड़ाई है कि कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पा रही है, जिस कारण मैदान अभी तक खाली है। जब तक कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करेगी तब तक जनता अपना मन बना चुकी होगी और 4 जून को बीजेपी हरियाणा की सभी लोकसभा और करनाल विधानसभा बड़े अंतराल से जीतेगी। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए उठाए जा रहे कदमों का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार 14 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है। पूरे देश में कोई भी राज्य ऐसा नहीं है जो इतनी फसलें खरीद करती हो।

किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब की तरफ से किसानों का आंदोलन उठना है साबित करता है कि पंजाब का दिवाला पीटा हुआ है। पंजाब में किसानों की दो फसल ही एमएसपी पर खरीदी जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हरियाणा में जातिवाद की राजनीति को खत्म करने का काम किया है और हरियाणा एक हरियाणवी एक का नारा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक भर्ती घोटाले में 230 करोड़ की संपत्ति जब्त

कोलकाता (ईएमएस)।पूरे देश में चर्चित रहा पश्चिम बंगाल का शिक्षक भर्ती घोटाला आज भी चर्चा में हैं। कथित सहायक शिक्षकों की भर्ती घोटाले के आरोपियों के खिलाफ ताजा कार्रवाई में ईडी ने 230 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। इसमें मुख्य रूप से डब्ल्यूबी स्कूल सेवा आयोग के पूर्व सलाहकार शांति प्रसाद सिन्हा और बिचौलिए प्रसन्ना रॉय की संपत्ति शामिल है। ईडी ने दोनों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था और वे न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के अनुसार रॉय उम्मीदवारों से कथित तौर पर धन और विवरण इकट्ठा करने में शामिल थे। घोटाले में पहले पार्थ चटर्जी को अरेस्ट किया गया था। उनकी गिरफ्तारी उन आरोपों के बाद भी हुई। जिनमें कहा गया था कि उम्मीदवारों ने सिलेक्शन टेस्ट में फेल होने के बाद सिलेक्शन के लिए 5 से 15 लाख रुपए तक की रिश्वत ली गई। उस वक्त पार्थ चटर्जी के शिक्षा मंत्री रहने के दौरान हुआ था। जुलाई 2022 में ईडी ने चटर्जी और उसकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को गिरफ्तार किया। तब भी काफी कैश बरामद किया गया था।ईडी के अनुसार स्कूल सेवा आयोग के अधिकारियों की साजिश के तहत 2,000 से अधिक अयोग्य शिक्षकों को सहायक शिक्षक के पद पर कक्षा 9 से 12 के लिए नियुक्त किया गया था। राज्य में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में ईडी पहले ही 135 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है, जिससे दो शिक्षक भर्ती घोटालों में कुल कुर्की 365 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। कुर्क की गई संपत्तियों में पाथरघाटा में 96 कोट्टा, सुल्तानपुर में 117 कोट्टा, महेशतला में 282 कोट्टा और न्यू टाउन में 136 कोट्टा जमीन शामिल है, ये सभी संपत्तियां रॉय और उनकी फर्जी संस्थाओं के स्वामित्व में हैं। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सीबीआई द्वारा दर्ज की गई दो एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी।

पूर्णिया सीट से लड़ रहे पप्पू यादव पर मुकदमा दर्ज

पूर्णिया। बिहार के कद्दावर नेता पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इस क्षेत्र में उनकी अपनी पकड़ है। पप्पू कांग्रेस के नेता है लेकिन चुनाव निर्दलीय लड़ रहे हैं। यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन के इशारे पर उन्हें परेशान किया जा रहा है। यादव ने पिछले महीने अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय इस उम्मीद से किया था कि उन्हें पूर्णिया सीट से पार्टी का टिकट मिलेगा। पप्पू यादव ने 1990 के दशक में तीन बार पूर्णियां लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। हालांकि यह सीट कांग्रेस की सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के खाते में चली गई, जिसने जदयू से पाला बदल कर आई बीमा भारती को मैदान में उतारा है। बता दें कि कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन के पति यादव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में ताल ठोक रहे हैं। पूर्णिया में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के अंतर्गत 26 अप्रैल को मतदान होगा। कांग्रेस में शामिल होने के बावजूद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ रहे पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पर शुक्रवार को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया गया। बिहार में पूर्णिया सीट से चुनाव लड़ रहे यादव के खिलाफखजांची हाट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। खजांची हाट थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार के अनुसार, यादव पर उन अधिकारियों को धमकी देने का आरोप लगाया गया है, जो बृहस्पतिवार देर रात उनके आवास पर गए थे। अंचल अधिकारी (पूर्व) संजीव कुमार शर्मा द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के अनुसार, यादव के चुनाव अभियान में शामिल एक वाहन को कलेक्ट्रेट के करीब कागजात दिखाने के लिए रोकने की कोशिश की गई तो वह वाहन चालक गाड़ी को भगाते हुए यादव के आवास पर ले गया और वहां खड़ा कर दिया। जब अधिकारी वहां पहुंचे तो पप्पू यादव ने कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

मुख्तार के बाद अब्बास अंसारी को सताने लगा मौत का डर

गाजीपुर। मुख्तार अंसारी का बेटा अब्बास अंसारी को मौत का खौंफ सता रहा है। मऊ विधायक अब्बास अंसारी के वकील लियाकत अली ने अब्बास की जान का खतरा बताया है, लियाकत अली ने बताया कि मुख्तार की मौत के बाद बीते 6 अप्रैल को एक मुकदमें में पेशी के दौरान अब्बास अंसारी ने गाजीपुर सीजेएम साहब को वीसी से पेशी के दौरान कासगंज जेल में जेल अधिकारियों की मिली भगत से जहर देकर मारा जा सकता है। लियाकत ने बताया कि मनोज राय हत्याकांड में आरोपी अफरोज उर्फ चुन्नू पहलवान भी गाजीपुर जेल में बंद है और अपनी सुरक्षा की गुहार लगाया है, उसने कहा है कि वो उसरी चट्टी कांड में बृजेश सिंह के खिलाफ गवाह भी है और उसे जेल से अदालत पेशी पर दो सिपाही ही मात्र पैदल जेल ले जाते हैं, मुझे जेल में जहर भी दिया जा सकता है, मेरे साथ कभी भी कोई हादसा हो सकता है, वहीं, इस मामले को लेकर गंभीरता दिखाते हुए सीजेएम साहब ने दोनों लोगों की सुरक्षा इंतजाम के लिए जेल प्रशासन को लिखा है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का भरोसा और क्या है भाजपा का सहारा

बस्तर।

कभी नक्सलियों के चुनाव बहिष्कार का बस्तर में व्यापक असर होता था, पर अब स्थिति बदल गई है। सुकमा, बीजापुर व अबूझमाड़ जैसे कुछ ही क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छोटे हिस्से में नक्सलियों की चुनाव बहिष्कार की अपील असर करती है। बाकी हिस्सा अछूता रहता है। यहां तक कि नारायणपुर व दंतेवाड़ा, जो कभी नक्सलियों के गढ़ कहलाते थे, में भी लोग बेखौफ मतदान के लिए निकलते हैं। हालांकि, इसकी एक बड़ी वजह अर्धसैनिक बलों के करीब डेढ़ लाख जवानों की उपस्थिति भी है।चुनाव लोकसभा का हो या फिर विधानसभा का, आज 10 बरस बाद भी उन धमाकों की गूंज सुनाई देती है। इस बार भी सुनाई दे रही है। पिछले कुछ वर्षों में नक्सलियों का असर कम जरूर पड़ा है, चुनावों को प्रभावित करने की उनकी ताकत क्षीण हुई है, लेकिन कांग्रेस और भाजपा दोनों नक्सलियों को ध्यान में रखते हुए ही अपनी रणनीति बना रहे हैं। कांग्रेस की ओर से चुनावी मैदान में उतरे कवासी लखमा और भाजपा के महेश कश्यप में से किसी के लिए भी मुकाबला आसान नहीं दिख रहा है। बस्तर परंपरागत रूप से कांग्रेस की सीट रही है। 1996 तक कांग्रेस यहां से लगातार विजय हासिल करती रही। बाद में भाजपा ने भी यहां जीत का स्वाद चखा, लेकिन 2019 के चुनाव में कांग्रेस के दीपक बैज ने बाजी पलट दी। इस बार कांग्रेस ने प्रत्याशी भले ही बदल दिया हो, लेकिन वर्तमान सांसद की इलाके में ठीक-ठाक पहचान है।

लखमा की इलाके में एक पहचान छत्तीसगढ़ के लालू यादव की भी है। लालू की ही तरह सहज हास्य बोध और गरीब-गुरबों से सीधे संवाद की जो शैली लालू बिहार में अपनाते हैं, करीब-करीब वही शैली अपनाने के लिए छत्तीसगढ़ में लखमा मशहूर हैं। सभाओं में वह कब, क्या कह देंगे उन्हें भी नहीं पता होता। गोंड ही नहीं, भतरा और हल्बा से लेकर दूसरी तमाम जनजातियों में उनकी लोकप्रियता की एक बड़ी वजह यह भी है। कांग्रेस की एक बड़ी चुनौती पार्टी के भीतर के असंतोष से निपटने की भी है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज इसी क्षेत्र से सांसद हैं।

संगठन के लोग बताते हैं कि उन्होंने फिर लोकसभा के टिकट की आस लगाई थी, लेकिन पार्टी ने लखमा को बेहतर माना। इस वजह से दीपक के लोग इलाके में उस तरह से सक्रिय नहीं हैं। इसका खामियाजा भी लखमा को भुगतना पड़ सकता है।

नागौर में कांग्रेस को झटका, 400 लोगों ने पार्टी से दिया इस्तीफा

-तेजपाल मिर्धा को निष्कासित करने से नाराज होकर छोड़ी कांग्रेस

नागौर।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटके पर झटके लग रहे हैं। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर दूसरे दलों की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। इस भगदड़ के बीच राजस्थान की नागौर सीट यहां हाल ही में विधानसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल के सामने खींवसर से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े तेजपाल मिर्धा और उनके सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ दी है। इन्होंने सामूहिक रूप से त्याग-पत्र दे दिया है। यह कांग्रेस के लिए बड़ा झटका मानाजा रहा है। सूत्रों ने बताया कि तेजपाल मिर्धा के आह्वान पर कुचेरा नगर पालिका के 21 पार्षद, 8 पूर्व पार्षद और 7 पंचायत समिति सदस्यों ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि इसके साथ ही करीब 400 छोटे-मोटे पदाधिकारियों ने भी इस्तीफा दिया है। इनमें एक ब्लॉक अध्यक्ष, 10 उपाध्यक्ष, 24 महासचिव, 22 सचिव, 12 सहसचिव, 30 कार्यकारणी सदस्य, 264 बूथ अध्यक्ष, 1 एनएसयूआई, 1 यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह सभी लोगों ने तेजपाल मिर्धा को कांग्रेस से निष्कासित करने से नाराज होकर कांग्रेस छोड़ी है। बता दें पिछले सप्ताह जायल क्षेत्र में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल ने गठबंधन को मतीरों का भारा (टोकरा) कह दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के चार पांच नेता ऐसे हैं जो भाजपा का पट्टा पहनकर चुनाव प्रचार कर रहे है। बेनीवाल ने कहा था कि वे कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी से भी इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन इन लोगों को कांग्रेस से बाहर रास्ता नहीं दिखाया। बेनीवाल के इस बयान के बाद प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हनुमान बेनीवाल के सामने विधानसभा चुनाव लड़ने वाले तेजपाल मिर्धा सहित कांग्रेस के तीन नेताओं को कांग्रेस से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था। उसके बाद से नागौर में सियासी घटनाक्रम बदल गए थे। कांग्रेस ने यह सीट गठबंधन के तहत आरएलपी के लिए छोड़ी है। आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल यहां से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं उनके सामने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए ज्योति मिर्धा भाजपा की प्रत्याशी है।

नीतीश कुमार की आंखों में खटक रहा है लालू का वंशवाद

नवादा।

कभी राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के साथ गलबहियां डालकर नीतीश कुमार घूमा करते थे। अब उस वक्त उनमें कोई कमियां नीतीश को नजर नहीं आई। अब नतीश को लालू का वंशवाद खटकने लगा है। वे चुनावी सभाओं में दावे के साथ कह रहे है कि कि उन्होंने अपने एक भी परिवार के सदस्य को राजनीति में आगे नहीं बढ़ाया है लेकिन लालू हर एक चुनाव में अपना एक बेटा या बेटी को आगे कर देते हैं। नीतीश कुमार ने नवादा लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं 18 साल से शासन में हूं, लेकिन अपने परिवार से कितने लोगों को आगे बढ़ाया। ये लोग (लालू परिवार) जब भी सत्ता में आते हैं, अपने परिवार बेटा-बेटी को आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं। आज एक ही परिवार से कितने लोग चुनाव लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, कोई जानता है हम लोग के परिवार को लेकिन अब देख लीजिए इन लोगों को जो मौका मिलता है तो पति-पत्नी, बाल-बच्चा, बेटा-बेटी इन्हीं सब को आगे बढ़ा रहा है। मैं सब जाति के लोगों से कहूंगा और जो लोग अपना-अपना जात कह रहे हैं तो उनको भी कहेंगे कि आपको क्यों नहीं आगे बढ़ा रहा है सिर्फ अपने परिवार को ही क्यों

आगे बढ़ा रहा है।नीतीश कुमार ने कहा, राजद शासन के दौरान, पति-पत्नी (लालू और राबड़ी देवी) ने 15 वर्षों तक बिहार पर शासन किया। उस दौरान राज्य में पूरी तरह अराजकता थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि 2005 में उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से कानून और व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पहले लोग शाम होने के बाद घर से निकल नहीं पाते थे लेकिन अब देर रात बिना भय के कहीं भी आ जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र उनकी सरकार को यथासंभव सहयोग दे रहा है।

शिअद और कांग्रेस को पंजाब में टिकट वितरित करने में छूट रहा पसीना

लुधियाना।

लोकसभा चुनाव का पहला चरण 19 अप्रैल से शुरु हो रहा है। मतलब कुछ ही दिन शेष हैं,लेकिन कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल पंजाब में अपने उम्मीदबार घोषत नहीं कर पाए हैं। जबकि आम आदमी पार्टी व भाजपा द्वारा पंजाब की आधी से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है, लेकिन इस मामले में कांग्रेस व अकाली दल सबसे पीछे चल रहे हैं।

जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उसे लेकर यह बात सामने आई है कि नेताओं के पार्टी छोड़ने के डर से उम्मीदवारों की घोषणा में देरी की जा रही है। क्योंकि कांग्रेस के दो मौजूदा एमपी परनीत कौर व रवनीत बिट्टू भाजपा और विधायक राज कुमार चब्बेवाल व गुरप्रीत सिंह जीपी पहले ही आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार बन चुके हैं। वर्ष 2019 में कांग्रेस की टिकट पर संगरूर से चुनाव लड़ने वाले केवल सिंह ढिल्लों भाजपा में शामिल हो चुके हैं और बठिंडा से पिछली बार के उम्मीदवार राजा वडिंग अब वहां से अपनी पत्नी के टिकट मांग रहे हैं।

हालांकि मौजूदा सांसदों मनीष तिवारी, गुरजीत सिंह ओजला, मोहम्मद सदीक, डॉ अमर सिंह, जसवीर सिंह डिंपा के साथ पिछली बार कांग्रेस की टिकट पर फिरोजपुर से चुनाव लड़ने वाले शेर सिंह घुबाया व जालंधर से उम्मीदवार रहे चौधरी परिवार को कांग्रेस दुआरा एक बार फिर से टिकट देने को लेकर सस्पेंस बरकरार है।

इसके अलावा भी कांग्रेस के कई ऐसे बड़े नेता हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान टिकट हासिल करने के लिए दूसरी पार्टियों के संपर्क में हैं। इनमें कुछ नेता कांग्रेस टिकट की दावेदारी जता रहे हैं और कुछ मौजूदा एमपी। व पिछली बार चुनाव लड़ने वाले नेताओं को टिकट कटने का डर सता रहा है। इसके मद्देनजर कांग्रेस फूंक फूंक कर कदम रख रही है, शायद यही वजह है कि टिकटों की घोषणा में देरी हो रही है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस द्वारा सभी पार्टियों के उम्मीदवारों की घोषणा होने का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद अगर कोई नेता टिकट न मिलने पर कांग्रेस छोड़कर जाएगा भी तो दूसरी पार्टियों के पास उन्हें उम्मीदवार बनाने की गुंजाइश काफी कम होगी।

टूरिस्ट के रूप में अंतरिक्ष यात्रा पर जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे गोपीचंद

नई दिल्ली।

भारत वैसे तो अंतरिक्ष में कई इतिहास रच चुका है जिसकी दुनिया ने भी सराहना की। अभी हाल ही में चंद्रयान-3 की चंद्रमा की दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग ने पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया था। अब गोपीचंद थोटाकुरा एक टूरिस्ट के रूप में अंतरिक्ष यात्रा पर जाने वाले पहले भारतीय के रूप में इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। गोपीचंद वर्तमान में एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। ब्लू ओरिजिन ने गोपी के बारे में कहा कि वह ऐसे व्यक्ति है जिसने गाड़ी चलाने से पहले उड़ना सीखा। उनका अनुभव कॉमर्शियल जेट पायलटिंग, बुश फ्लाइंग, एरोबेटिक्स, सीप्लेन, ग्लाइडर और हॉट एयर बैलून पायलटिंग तक फैला हुआ है। इसके अलावा गोपी ने मेडिकल जेट भी उड़ाए हैं। हाल ही में अफ्रीका में माउंट किलिमंजारो के शिखर पर चढ़े हैं। गोपी ने एम्ब्री-रिडल एयरोनॉटिकल यूनिवर्सिटी से डिग्री और कोवेंट्री यूनिवर्सिटी से एविएशन/एयरवे मैनेजमेंट और ऑपरेशंस में एमबीए किया है। ब्लू ओरिजिन का न्यू शेपर्ड रॉकेट एक रियूजेबल सबऑर्बिटेबल रॉकेट सिस्टम है। इसका नाम एलन शेपर्ड के नाम पर रखा गया है। शेपर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी हैं। न्यू शेफर्ड मिशन पर्यावरण के अनुकूल है। न्यू शेपर्ड अंतरिक्ष यान में एक क्रू कैप्सूल और एक बूस्टर रॉकेट होता है। इसमें कम से कम छह यात्री, कार्गो के छह पीस, या दोनों कैप्सूल के

अंदर फिट हो सकते हैं। एक बीई-3पीएम इंजन बूस्टर रॉकेट को पावर देता है। ये कैप्सूल को कार्मन लाइन से ऊपर उठाता है और कार्गो और यात्रियों दोनों को पृथ्वी पर लौटने से पहले भारहीनता एक छोटी सी अवधि का मजा लेने की इजाजत भी देता है। प्रत्येक अंतरिक्ष यात्री क्लब फॉर की ओर से अंतरिक्ष में एक पोस्टकार्ड भी ले जाएगा। द फ्यूचर, यह वो चैरिटी जिसकी स्थापना ब्लू ओरिजिन ने की थी। मिशन की लॉन्च तिथि अभी तक घोषित नहीं की गई है।

पीएम मोदी ने देश के सात गेमर्स से की मुलाकात

सस्ते इंटरनेट की उपलब्धता के बारे में ऑनलाइन गेमर्स से सवाल

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैसे तो अपनी कार्यप्रणाली के लिए मशहूर हैं। वह कुछ अलग हट कर करते हैं जैसे फाइटर प्लान चलान, समुद्री तल में जाकर पूजा करना इस तरह की कामों ने पीएम मोदी की देश ही नहीं दुनिया में भी एक अलग छवि बना दी है। लोग उनकी इस तरह की कार्यशैली को काफी पसंद भी करते हैं। माइक्रोसॉफ्ट के मालिक बिल गेट्स से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सात ऑनलाइन गेमर्स से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गुजरात के भुज के रहने वाले एक गेमर से पूछा कि भुज में यह बीमारी कहां से आई? पीएम मोदी के इस सवाल पर सभी गेमर्स मुस्कुरा उठे। साथ ही पीएम मोदी ने उनसे सस्ते इंटरनेट की उपलब्धता के बारे में भी सवाल पूछा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक युवा गेमर ने पीएम को बताया कि यह तो पूरे देश में फैला हुआ है। पीएम मोदी ने सभी ऑनलाइन गेमर्स से उनका परिचय और ऑनलाइन गेमिंग में इंट्रेस्ट के बारे में भी जानना चाहा। पीएम मोदी ने गेमर्स से पूछा कि आप सभी लोगों को इसके बारे में स्कूल-कॉलेज से पता चला?

इसपर एक ऑनलाइन गेमर ने बताया कि उन्होंने यूट्यूब से इसके बारे में सीखा और फिर कॉलेज में सबको बताया। वहीं, एक अन्य गेमर ने बताया कि उन्होंने जब ऑनलाइन गेमिंग शुरू की तो उन्हें देखकर अन्य लड़कियों ने भी इसे खेलना शुरू कर दिया। पीएम ने फिर सवाल पूछा कि आप लोगों को कैसा लगता है जब बच्चो के माता-पिता बोलते हैं कि इससे बच्चे बिगड़

रहे हैं? इस पर एक युवा गेमर्स ने पीएम को बताया कि वे चाहते हैं कि वे इसको लेकर सभी को अलर्ट करें। ऑनलइन गेमर्स ने बताया कि गेमिंग के लिए मेंटल स्किल्स चाहिए। इस अवसर पर पीएम मोदी ने गेमर्स से पर्यावरण जैसे मसलों को लेकर भी बात की। साथ ही गेमिंग और गैंबलिंग का फर्क भी बताया।

नफा या नुकसानः आजाद को स्वामी प्रसाद मोर्य का समर्थन

लखनऊ।

कई राजनैतिक दलों में रह चुके स्वामी प्रसाद मोर्य ने नगीना क्षेत्र से आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के उम्मीदवार चंद्रशेखर आजाद को समर्थन देने की घोषणा की। अपनी विवादित टिप्पणियों से हिंदुओं की भावनाओं को भड़काने वाले मोर्य,आजाद के लिए नफा या नुकसान देंगे ये बाद में पता चलेगा। पर इतना जरुर है कि स्वामी प्रसाद ने बिना मांगे ये समर्थन दिया है। बताया जा रहा है कि क्रांतिकारी नेता चंद्रशेखर आजाद की गणेश परिक्रमा कर उनकी पार्टी में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि विवादित बयानों और अपनी कार्यशैली के चलते स्वामी प्रसाद मोर्या कई दलों से बाहर हो चुके हैं। जिस दल को छोड़ते उसी के खिलाफ मोर्चा खोल देते हैं। मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,नगीना लोकसभा क्षेत्र (सुरक्षित) से आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रत्याशी चंद्रशेखर आजाद को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी समर्थन देती है। मौर्य ने कहा, आजाद युवा, कर्मठ, जुझारू और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित एक क्रांतिकारी नेता हैं, जिन्हें नगीना लोकसभा की जनता के द्वारा अपार समर्थन भी मिल रहा है। अतः नगीना लोकसभा की सम्मानित जनता से उन्हे प्रचंड बहुमत के साथ जिताने की अपील करता हूं। स्वामी प्रसाद मौर्य पांच बार विधानसभा के सदस्य, मायावती और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकारों में उत्तर प्रदेश में मंत्री और विपक्ष के नेता भी रहे हैं। वह योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की भाजपा सरकार (2017-2022) में श्रम मंत्री रहे थे। मौर्य 11 जनवरी 2022 को योगी सरकार में श्रम मंत्री पद से इस्तीफा देकर सपा में शामिल हुए और कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा। चुनाव में पराजित होने के बाद सपा ने उन्हें विधान परिषद का सदस्य बनाया और पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

कंपाउंडर ने खुद को डॉक्टर बताया और एलोपैथिक दवा का गोरखधंधा करते

सूरत में दो लोग बिना डिग्री के क्लीनिक चला रहे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा में पुलिस ने दो अलग-अलग प्रतिष्ठानों से फर्जी डॉक्टरों को पकड़ा है। हालांकि दोनों डॉक्टरों के पास कोई डिग्री नहीं थी, वे प्राइवेट प्रैक्टिस करते थे। बिना डिग्री के उन्होंने क्लिनिक में एलोपैथिक दवाओं का भंडार रखा था। इसलिए पुलिस ने दोनों के खिलाफ डुप्लीकेट डॉक्टर का मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

सूचना के आधार पर, पुलिस ने जिला पंचायत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर एक डमी मरीज को पांडेसरा गोवालक रोड, रामनगर स्थित जगन्नाथ क्लिनिक में भेजा। पता चला कि २८ साल का आरोपी हिमांशु शेखर गौरीशंकर प्रैक्टिस करता था। स्हत्र पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर क्लीनिक से २७ हजार रुपए से अधिक कीमत की नशीली दवाएं, इंजेक्शन, सिरप जब्त किए और वडोद गांव के भगवतीनगर में नीर क्लीनिक पर छापेमारी के दौरान २८ वर्षीय सदाम शकूर बानखान को पकड़ा गया। सद्दाम के क्लिनिक से ११,९७९ रुपये की दवाएं, इंजेक्शन, सिरप जब्त किये गये।

पुलिस ने दोनों क्लीनिकों से दवा और इंजेक्शन समेत कुल ३० हजार रुपये जब्त किये। स्हत्र के मुताबिक दोनों फर्जी डॉक्टरों से पूछताछ में पता चला कि वे पहले अस्पताल में कंपाउंडर के पद पर कार्यरत थे। उस समय वह डॉक्टर की मदद कर रहा था और मरीजों को दवा दे रहा था। सामान्य बीमारियों में किस तरह की दवा और इंजेक्शन देना है इसकी जानकारी लेने के बाद उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने तीन साल के लिए नौकरी छोड़ दी और क्लिनिक शुरूकिया।

सूरत में पुलिस उन फर्जी डॉक्टरों को पकड़ने में जुटी है जो बिना किसी डॉक्टर की डिग्री के या फर्जी डिग्री के आधार पर क्लीनिक और अस्पताल खोलकर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं. जिसके तहत एसओजी पुलिस जवानों की अलग-अलग टीमों को शहर में बिना डिग्री के क्लीनिक चलाने वाले फर्जी डॉक्टरों को पकड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

सूचना मिली थी कि पांडेसरा इलाके में दो फर्जी डॉक्टरों ने क्लिनिक खोल लिया है और लोगों के स्वास्थ्य से समझौता कर रहे हैं।

मतदान जागरूकता के लिए सुमुल डेयरी का अनोखा प्रयास

प्रतिदिन १२.५० लाख बैग मतदान जागरूकता का संदेश लाखों घरों तक पहुंचा रहे हैं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, ७ मई को राज्य भर में आयोजित होने वाले लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक संख्या में मतदाता मतदान करें और अधिक से अधिक संख्या में लोग लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लें और उत्साहपूर्वक 'चुनाव का पर्व' मनायें इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौरभ पारघी एवं जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल द्वारा जिले में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं.

इस समय सूरत के विभिन्न संगठनों या औद्योगिक इकाइयों द्वारा मतदान जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं. सूरत की मशहूर सुमुल डेयरी द्वारा मतदान जागरूकता के लिए एक अनोखी पहल की गई है.

सुमुल डेयरी संस्था द्वारा रोजाना करीब १२.५० लाख बैग पर 'चुनाव का पर्व, देश का गरवा' का नारा छापकर लाखों घरों तक मतदान जागरूकता का संदेश पहुंचाता है. साथ ही उनके द्वारा अगले कुछ दिनों तक इसी तरह से मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है. जिससे बड़ी संख्या में लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है.

सूरत सिविल में फिटनेस सर्टिफिकेट लेने के लिए लाइन में लगे लोग

यात्रा की अवधि ६० की बजाय ४५ दिन रखी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, २९ जून से बर्फीला बाबा अमरनाथ की यात्रा शुरू हो रही है, जो १९ अगस्त तक चलेगी. इस बार लोकसभा चुनाव के कारण यात्रा अवधि ६० दिन की जगह ४५ दिन रखी गई है।

यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट अनिवार्य है । न्यू सिविल में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया कल से शुरू हो गई है, जो पुराने ट्रॉमा सेंटर के ग्राउंड फ्लोर पर ९ से १२ घंटे तक चलेगी । कल पहला दिन था इसलिए बड़ी संख्या में लोग फिटनेस सर्टिफिकेट लेने पहुंचे थे।

हालाँकि, आज रविवार की छुट्टी है और बाद में यह कार्रवाई सोमवार से शुक्रवार तक सामान्य रूप से जारी रहेगी । इस बार अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन सोमवार १५ अप्रैल से शुरूहो रहा है, उसी दिन से चारधाम यात्रा के लिए भी रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा । हालांकि, अमरनाथ यात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट अनिवार्य कर दिया गया है।

इसके साथ ही श्रद्धालुओं को सरकार की गाइडलाइन का पालन करना होगा । स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, चारधाम यात्रा के लिए यात्रियों को किसी भी तरह के मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

यात्रियों को ४ पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटिंग कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, कोई एक फोटो, आईडी प्रूफ (मूल और ज़ेरॉक्स दोनों) और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र फॉर्म की दो कॉपी लानी होंगी।

नियम अनुसार १३ वर्ष से कम उम्र के बच्चों, ७५ वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं और बाईपास सर्जरी या स्टेंटिंग से गुजर रहे हृदय रोगियों को मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा।

सिविल अस्पताल के आरएमओ केतन नायक ने बताया कि अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए फिटनेस के नियम साइनबोर्ड के जरिए तय किए गए हैं, इसका प्रारूप भी साइनबोर्ड के जरिए दिया गया है और उसके मुताबिक जो भी सुविधाएं जांची जानी हैं, इन सभी की सुविधा सिविल अस्पताल में एक ही छत के नीचे दी गई है।

एक दिन में ५०० टोकन दिए जाएंगे। कल सुबह से टोकन वितरण शुरूकर दिया गया है, अब तक ४०० टोकन वितरित किये जा चुके हैं। लंबी कतारों से बचने के लिए इस बार न्यू सिविल में भी टोकन सिस्टम रखा गया है।

यहां बता दें कि हर बार सूरत समेत दक्षिण गुजरात से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अमरनाथ दर्शन के लिए जाते हैं। आगे बताया कि यहां ६ चिकित्सा पदाधिकारी, दो चिकित्सक, प्रयोगशाला, ईसीजी, एक्स-रे समेत सुविधाएं रखी गयी हैं।

ताकि लोगों को अलग-अलग ओपीडी में न जाना पड़े और एक ही जगह पर आसानी से फिटनेस हो सके। यहां से आमतौर पर करीब ५ हजार सर्टिफिकेट जारी होते

लोकसभा चुनाव २०२४ राज्य में नामांकन पत्रों का वितरण शुरू

किस सीट से लिए गए हैं कितने फॉर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लोकसभा चुनाव को लेकर राजकोट जिले की राजनीति गरमा गई है. केंद्रीय मंत्री और राजकोट सीट से बीजेपी उम्मीदवार परषोत्तम रूपाला के विरोध में क्षत्रिय महिलाएं राजकोट कलक्ट्रेट पहुंचीं. सभी महिलाएं चुनाव फॉर्म लेने कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं. क्षत्रिय महिलाओं ने परषोत्तम रूपाला द्वारा अपनी उम्मीदवारी वापस नहीं लेने पर फॉर्म भरने की घोषणा की थी. लगभग १५० स्वरूप क्षत्रिय महिलाओं ने उठाये।

वडोदरा सीट पर भी आज फॉर्म वितरण शुरू हो गया है. वडोदरा लोकसभा सीट के लिए पहले दिन ४३ नामांकन पत्र वापस ले लिए गए हैं. सोशलिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) के एक प्रतिनिधि ने ४ फॉर्म, कांग्रेस के तीन प्रतिनिधियों ने १२ फॉर्म, बीजेपी के एक प्रतिनिधि ने ४ फॉर्म, बहुजन समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधि ने ४ फॉर्म उठाए हैं. निर्दलीय के तौर पर १३ लोगों ने १९ फॉर्म वापस ले लिए हैं. १९ लोगों ने कुल ४३ नामांकन पत्र प्राप्त किये हैं. इस सीट पर बीजेपी प्रत्याशी के तौर पर डॉ. कांग्रेस से हेमांग जोशी और जशपाल सिंह पथियार चौदह उम्मीदवार हैं.

सूरत सीट पर उम्मीदवारी के लिए आज ४३ फॉर्म जमा किए गए हैं। इस सीट पर बीजेपी ने मुकेश दलाल और कांग्रेस ने नीलेश कुंभानी को टिकट दिया है.

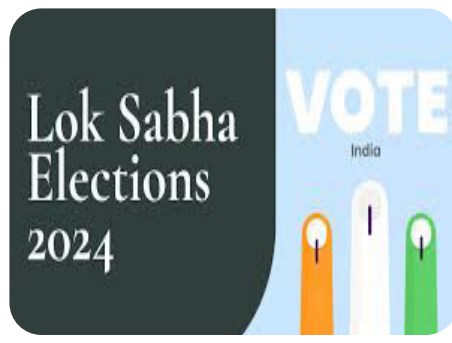

किसान नेता जेके पटेल ने सुरेंद्रनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए पहला फॉर्म उठा लिया है. किसान नेता जेके पटेल ने पहले निर्दलीय चुनाव लड़ने का

ऐलान किया था. आज फॉर्म वितरण के पहले घंटों के भीतर, जेके पटेल ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए फॉर्म उठाया। नेता जे.के.पटेल की ओर से ऐलान किया गया कि आने वाले दिनों में किसानों के साथ-साथ लोकसभा के उम्मीदवारों का भी रजिस्ट्रेशन किया जाएगा. किसानों का मुद्दा नहीं सुलझने पर जेके पटेल ने लोकसभा की सुरेंद्रनगर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने को कहा.

साबरकांठा लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्रों का वितरण शुरू हो गया है. पहले दिन २८ फार्म वितरित किये गये। जिसमें ८ भाजपा, ६ कांग्रेस, २ गुंज सत्य पार्टी, १ भारतीय जन परिषद पार्टी, १ लोग पार्टी, १ जनसंघ पार्टी, ९ निर्दलीयों ने फॉर्म लिया। भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी १६ अप्रैल को फॉर्म भरेंगे। निर्दलीय प्रत्याशी के लिए दस समर्थकों का होना अनिवार्य है।

छोटाउदेपुर लोकसभा सीट के लिए भाजपा, कांग्रेस, बहुजन समाजवादी पार्टी और निर्दलीय के नामांकन पत्र भरने के लिए बांटे गए ७ फॉर्म वापस ले लिए गए हैं। बीजेपी और कांग्रेस एक ही दिन १६/४/२०२४ को फॉर्म भरेंगे. नामांकन पत्रों का वितरण शुरूहोते ही भाजपा ने २ नामांकन फॉर्म लिए। कांग्रेस की ओर से २ नामांकन फॉर्म लिये गये. जबकि १ फॉर्म बहुजन समाजवादी पार्टी ने और २ फॉर्म निर्दलीय ने लिए थे. भाजपा उम्मीदवार जसुभाई रथा के पास नामांकन फॉर्म भरने के लिए १६/४/२०२४ १२:३० बजे की समय सीमा है। कांग्रेस प्रत्याशी सुखराम राठवा के अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ता १६/४/२०२४ को १२:३० बजे फॉर्म भरेंगे।

मिलेनियम मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन, सूरत द्वारा साप्ताहिक व्यापारी मीटिंग का आयोजन

क्रांति समय

सुरत, मिलेनियम मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन, सूरत द्वारा व्यापारीयों बंधुओ की पेमेंट/रिटर्न गुड्स और अन्य समस्याओं के निवारण के लिए प्रति शनिवार मिलेनियम मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन (MMT) की साप्ताहिक व्यापारी मीटिंग का आयोजन किया जाता है. इस शनिवार मीटिंग का आयोजन एस.जे.एंटरप्राइज मिलेनियम

टेक्सटाइल मार्केट-१ मे हुआ. जिसमे कमिटी मेम्बर कमलेश जैन, अशोक बाज़ारी, सौरभ कुरिच, अरविंद लुणिया, विकास देसाई, हरिश देसाई की हाजरी में मीटिंग का प्रारंभ किया गया. मीटिंग में व्यापारीयों से १३ नये आवेदन आये, जिस पर तुरंत कमिटी के द्वारा कार्य किया गया और ३ आवेदन का तुरंत निवारण लाया गया. पुराने आवेदन में से भी काफ़ी पेमेंट व्यापारीयों को प्राप्त हुए. साप्ताहिक व्यापारी मीटिंग में व्यापारी पेमेंट/रिटर्न गुड्स और अन्य समस्याओं संबंधी अपना आवेदन अपनी फर्म की लेटरपैड पर पूर्ण विवरण और पूर्ण विवरण बिल की जेरोक्ष कापी के साथ लेकर मीटिंग में जा सकते है। मीटिंग में कमलेश बी जैन द्वारा कहा गया की रूल्झ मिलेनियम मार्केट के सभी व्यापारीयों से ख़ास निवेदन करती है की रजिस्टर्ड संस्थाओं से जुड़े अडतिया और एजेंट से व्यापार करना ज़्यादा हित में रहेगा.